राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार 07 अप्रैल 2024 वर्ष–7,अंक–73 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विपक्ष सत्ता का भूखा, कांग्रेस के घोषणा पत्र पर मुस्लिम लीग की छाप: मोदी

भाजपा देश की सबसे पसंदीदा पार्टी, जो 'राष्ट्र प्रथम' मंत्र के साथ सेवा में जुटी-पीएम मोदी

सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस और विपक्षी दलों पर तीखा हमला करते हुये कहा कि भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) देश को विकसित राष्ट्र बनाने में लगी है, वहीं विपक्ष केवल सत्ता पाने के लिये तड़प रहा है।

श्री मोदी ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस आज के भारत की आशाओं और आकांक्षाओं से कट चुकी है और उसके चुनाव के घोषणा पत्र पर 1947 की मुस्लिम लीग और वामपंथियों की सोच हावी है। उन्होंने जोर दिया कि सरकार ने पिछले दस साल में किसानों और समाज के अन्य वर्गों के हित को पूरा करने और उनकी परेशानी को कम करने के लिये काम किया है तथा इसका अनुभव देश में सभी लोग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई लड़ने वाली कांग्रेस दशकों पहले खत्म हो चुकी है और अब जो कांग्रेस बची है। उसके पास न तो कोई देश हित की नीति ही है और न ही कोई राष्ट्र निर्माण का विजन (सपना) है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में मुख्य विपक्ष दस समाजवादी पार्टी को भी निशाने पर लिया और कहा कि वह अपने उम्मीदवार तक नहीं तय कर पा रहे हैं तथा उन्हें हर घंटे उम्मीदवार बदलने पड़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'अब हम भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के मिशन में जुटे हैं। वहीं दूसरी तरफ हमारे विरोधी सत्ता पाने के लिये तड़प रहे हैं। मैं देश का ऐसा पहला चुनाव देख रहा हूं, जहां विपक्ष जीत का दावा नहीं कर रहा है, बल्कि वह केवल इसलिये चुनाव लड़ रहा है ताकि भाजपा की सीटें 370 से कम और राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) के सीटें 400 सौ से कम की जा सकें।'

उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई लड़ने वाली कांग्रेस तो दशकों पहले ही समाप्त हो चुकी है अब जो कांग्रेस बची है, उसके पास न तो देश हित की नीतियां हैं और न ही राष्ट्र निर्माण की दृष्टि। उन्होंने कांग्रेस के कल जारी घोषणा पत्र का उल्लेख करते हुये कहा कि उससे साबित होता है कि 'आज की कांग्रेस आज के भारत के आशाओं-आकांक्षाओं से पूरी तरह कट चुकी है।'

श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में वही सोच झलकती है जो आजादी के आंदोलन के समय मुस्लिम लीग में थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में पूरी तरह मुस्लिम लीग की छाप है और उसका जो कुछ हिस्सा उससे बचा है उस पर वामपंथी पूरी तरह हावी हो चुके हैं। कांग्रेस के घोषणा पत्र में कांग्रेस दूर-दूर तक दिखायी नहीं देती।

उन्होंने उत्तर प्रदेश में विपक्षी इंडी गठबंधन को सपा और कांग्रेस की फ्लॉप हो चुकी फिल्म बताया। उन्होंने कहा, ÷ आपको यह याद होगा, यहां उत्तर प्रदेश में दो लड़कों की दो फिल्म पिछली बार फ्लॉप हो चुकी है। उनकी फिल्म को इन लोगों ने फिर से रिलीज किया है। मुझे समझ नहीं आता कि काठ की इस हांडी को ये इंडी गठबंधन वाले कितनी बार चढ़ाएंगे। सपा को हर घंटे उम्मीदवार बदलने पड़ रहे हैं जबकि कांग्रेस को तो उम्मीदवार ही नहीं मिल रहे हैं। कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में उन सीटों पर उम्मीदवार उतारने की हिम्मत नहीं हो रही है, जिन्हें वह अपना गढ़ मानती थी।÷

प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्षी गठबंधन और स्थिरता तथा अनिश्चितता का दूसरा नाम बन चुका है इसीलिए देश उसे गंभीरता से नहीं ले रहा है। भाजपा देश के हर नागरिक की परेशानी कम कर रही है। उन्होंने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था का उल्लेख करते हुये कहा कि पिछले

दस साल से उनकी सरकार लगातार किसानों के हित में काम कर रही है। उनकी छोटी-छोटी परेशानियों के प्रति संवेदनशील है और अकेले सहारनपुर में ही तीन लाख से ज्यादा किसानों के खाते में पीएम किसान सम्मान निधि के जरिये 860 करोड़ रुपये सीधे भेजे जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा देश के हर नागरिक की परेशानी कम कर रही है। सरकार ने उर्वरकों के दाम बढ़ने नहीं दिये हैं। दूसरे देशों में यूरिया का बोरा तीन हजार रुपये में मिलता है लेकिन सरकार भारत में इसे तीन सौ रुपये में उपलब्ध करा रही है।

देश विरोधी साजिश मामले में एनआईए के उत्तरप्रदेश, बिहार में ताबड़तोड़ छापे

नई दिल्ली । राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने उत्तरप्रदेश, बिहार में ताबड़तोड़ छापे मारे। देश विरोधी साजिश मामले में प्रतिबंधित (माओवादी) संगठन पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एनआईए की टीमों ने मूल रूप से एंटी टेरर स्क्वाड (एटीएस), यूपी द्वारा दर्ज मामले के संबंध में उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में 11 स्थानों और बिहार के कैमूर जिले में एक स्थान पर आरोपियों और संदिग्ध व्यक्तियों के परिसरों पर छापा मारा। तलाशी के दौरान मोबाइल फोन, सिम कार्ड और मेमोरी कार्ड सहित कई डिजिटल उपकरणों के साथ-साथ प्रतिबंधित नक्सली संगठन के पर्चे जैसे आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए। एनआईए ने 10 नवंबर 2023 को यूपी के बलिया में सीपीआई (माओवादी) के हथियारों और गोला-बारूद, आपत्तिजनक दस्तावेजों, साहित्य और किताबों की बरामदगी के बाद पांच लोगों की गिरफ्तारी से संबंधित मामले की जांच अपने हाथ में ले ली थी। 9 फरवरी 2024 को, एजेंसी ने मामले में चार आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था।

गाजियाबाद में पीएम मोदी के रोड शो से पहले कांग्रेस का कार्यालय किया बंद

गाजियाबाद। लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 6 अप्रैल को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में रोड शो किया। पीएम मोदी के रोड शो में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। वहीं पीएम मोदी के रोड शो के दौरान अंबेडकर रोड पर गाजियाबाद की कांग्रेस के चुनाव कार्यालय को बंद किया गया। इतना ही नहीं कांग्रेस के चुनाव कार्यालय के बाहर बीजेपी का झंडा भी लगा दिया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। वहीं पीएम मोदी के रोड शो से पहले गाजियाबाद की कांग्रेस के चुनाव कार्यालय को बंद करने को लेकर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष ने इसे मौलिक अधिकारों को हनन बताया है। उन्होंने कहा कि वह इस मामले में चुनाव आयोग में शिकायत करने जा रहे हैं। गाजियाबाद कांग्रेस के अध्यक्ष ने कहा कि वो हमारे देश के प्रधानमंत्री हैं उस गरिमा को हम समझते हैं, लेकिन उन्हें समझना चाहिए कि विपक्ष की जो पार्टी है उसका कार्यालय बंद करना यह मौलिक अधिकारों का हनन है। बीजेपी संविधान को खत्म करना चाहती है, इसलिए अब मैं इसकी शिकायत चुनाव आयोग से करूंगा। भाजपा डरी हुई है और इसी वजह से हमारे कार्यालय को बंद किया है। मालूम हो कि पीएम मोदी ने गाजियाबाद में मालीवाड़ा चौक से बीजेपी उम्मीदवार अतुल गर्ग के समर्थन में रोड शो किया।

चुनाव से पहले घाटी में घुसपैठ की कोशिश पाकिस्तान की हताशा: सेना

श्रीनगर। सेना ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के बारामूला में शुक्रवार को पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ की नाकाम कोशिश देश में आम चुनाव से पहले कश्मीर घाटी में अशांति फैलाने की पाकिस्तान की हताशा को प्रदर्शित करती है। बारामूला जिले के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास शुक्रवार को दो अज्ञात आतंकवादी मारे गए जब वे कश्मीर में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे। सेना ने एक बयान में कहा कि घुसपैठ रोधी अभियान के दौरान एलओसी के आसपास पाकिस्तान की अग्रिम चौकियों से रुक-रुक कर गोलीबारी की गई। सेना ने कहा कि भारतीय सेना ने संयुक्त अभियान में कल घुसपैठ की कोशिश को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया था। उन्होंने कहा कि उरी सेक्टर में एलओसी के पार घुसपैठ की योजना बनाने और उसका अंजाम देने वाले आतंकवादी समूहों के बारे में कई खुफिया एजेंसियों से पहले ही कई जानकारियां प्राप्त हुई थीं। इन सूचनाओं और निगरानी के आधार पर घुसपैठ रोधी ग्रिड की समीक्षा की गई और उसे मजबूत किया गया। शुक्रवार तड़के उनकी निगरानी से पता चला कि आतंकवादियों का एक समूह नियंत्रण रेखा की ओर बढ़ रहा था।

अंडरवर्ल्ड डॉन अरुण गवली की रिहाई के आदेश, हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा

नागपुर। बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने अंडरवर्ल्ड डॉन अरुण गवली की रिहाई के आदेश देते हुए कोर्ट ने नागपुर सेंट्रल जेल प्रशासन और सरकार से इस संबंध में जवाब मांगा है। कोर्ट ने सभी पक्षों को चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। माफिया डॉन अरुण गवली को 2012 में पूर्व शिवसेना विधायक कमलाकर जामसंदेकर की हत्या के लिए उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। उस पर 17 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था। तब गवली के खिलाफ अपराध नियंत्रण अधिनियम कानून (मकोका) लगाया गया था। जिला एवं सत्र न्यायालय के फैसले पर हाईकोर्ट ने भी मुहर लगाई थी। वह पिछले 16 साल से नागपुर सेंट्रल जेल में बंद है। गवली के साथ इस केस में 11 अन्य लोगों को भी सजा सुनाई गई थी। पूर्व शिवसेना विधायक कमलाकर जामसंदेकर की हत्या की सुपारी गवली ने दी थी। माफिया से नेता बने अरुण गवली ने कोर्ट में महाराष्ट्र सरकार के 2006 के नियम के तहत रिहाई की याचिका लगाई थी। इस नियम के तहत 14 साल सजा काटने वाले ऐसे कैदियों की रिहाई का प्रावधान किया गया था जिनकी उम्र 65 साल या उससे अधिक हो। उसने अपनी याचिका में फेफड़ों और पेट से संबंधित बीमारी का हवाला भी दिया था। नागपुर सेंट्रल जेल के अधिकारियों ने उसके आवेदन को खारिज कर दिया था। जेल प्रशासन ने दलील थी कि 1 दिसंबर 2015 को जारी एक नई अधिसूचना के तहत मकोका में सजा काट रहे कैदियों को पुराने नियम का लाभ नहीं दिया जा सकता है।

आज देश का लोकतंत्र खतरे में है, मोदी खुद को महान मानते है-सोनिया

-बेरोजगारी चरम पर है,युवाओं के सपने टूट रहे है-प्रियंका

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में आज कांग्रेस न्यायपत्र 2024 की विशाल जनसभा को कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि देश से ऊपर कोई नहीं होता, लेकिन मोदी खुद को महान मानते हैं। वे लोकतांत्रिक मर्यादाओं का चीरहरण कर रहे हैं, पूरे तंत्र में डर बैठा रहे, यह तानाशाही है। ये देश चंद लोगों की जागीर नहीं है। हमारे पूर्वजों ने इसे खून से सींचा है। ये देश हमारे बच्चों का आंगन है। आज देश का लोकतंत्र खतरे में है. मेहनत से खड़ी की गई संस्थाओं को लोकतंत्र कमजोर करने के लिए काम में लिया जा रहा है. संविधान खतरे में है. यह तो तानाशाही है और हम इस तानाशाही का जवाब देंगे।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने मंच के माध्यम से बीजेपी पर जमकर हमला बोला कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी भ्रष्टाचारियों को अपनी पार्टी में ले रहे हैं और बीजेपी में आते ही हर भ्रष्टाचारी साफ हो जाता है. उन्होंने कहा कि देश में बेरोजगारी चरम पर है और युवाओं के सपने टूट रहे हैं, कहीं न्याय नहीं मिल रहा है ऐसे में हमारा घोषणापत्र इस देश की आवाज है. प्रियंका ने कहा कि आज परिस्थितियां इतनी खराब हो गई है कि देश में कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। प्रियंका ने कहा कि आज देश में बेरोजगारी चरम पर है लेकिन पिछले 10 साल में मोदी जी और भाजपा की सरकार ने इसे दूर करने के लिए क्या किया. उन्होंने कहा कि ये लोग अग्निवीर जैसी स्कीम लेकर आए जिससे सेना

में जाने वाले युवाओं की आशाएं टूट गई. देश के हर हिस्से में आज पेपर लीक हो रहे हैं, युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही है और महंगाई से जनता की हालत खराब है। वहीं प्रियंका ने कहा कि बीजेपी की सरकार ने आते ही राजस्थान में गहलोत सरकार की चिरंजीवी योजना बंद कर दी और 25 लाख का बीमा अब 5 लाख का हो गया. उन्होंने कहा कि देश के बड़े-बड़े उद्योगपतियों को देख रहे हैं बड़े-बड़े महलों में रह रहे हैं, उनके हजारों-करोड़ों लोन माफ हो रहे हैं लेकिन किसानों की बात कोई नहीं कर रहा है. प्रियंका ने आगे कहा कि बीजेपी नेता और मोदी जी खोखले संसार और दुनिया में रह रहे हैं जहां सिर्फ बड़ी-बड़ी इवेंटबाजी हो रही है और सच छुपाया जाता है. उन्होंने कहा कि 2 सीएम आज जेल में हैं और भ्रष्टाचार पर वार है कहते-कहते सभी भ्रष्टाचारियों को अपनी पार्टी में शामिल कर रहे हैं. प्रियंका ने कहा कि हम न्याय की गारंटी दे रहे हैं और लोकतंत्र की रक्षा करेंगे क्योंकि हमारे पूर्वजों ने लोकतंत्र को बचाया है। मंच से मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मोदी हमेशा लोगों को भ्रमित करते हैं। आपने देश के लिए कुछ नहीं किया, फिर भी कहते रहते हैं कांग्रेस वाले कुछ नहीं किया, 70 सालों में कुछ नहीं किया। हम तो 55 साल का हिसाब दे रहे हैं। राजस्थान-जयपुर में या उसका हिसाब दे रहे हैं।

कश्मीर के सुधरते हालातों को देखते हुए कभी भी हटाया जा सकता है अफस्पा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि कश्मीर के हालात अब पहले जैसे नहीं हैं। वहां के हालातों में काफी सुधार हुआ है। इसलिए वहां से अफस्पा कभी भी हटाया जा सकता है,लेकिन इस मामले में अंतिम फैसला केंद्रीय गृह मंत्रालय को ही लेना है। ऐसे ही कई मुद्दों पर रक्षा मंत्री सिंह ने एक साक्षात्कार में खुलकर बात की।

राजनाथ सिंह से कश्मीर से अफस्पा हटाने को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'अब वक्त आ गया है कि इसे (अफस्पा) हटाने को लेकर निर्णय लिया जा सकता है। इस बाबत रिपोर्ट आने के बाद गृह मंत्रालय ही इस पर फैसला करेगा। मेरा कहना है कि कश?मीर में ऐसी परिस्थितियां बन चुकी हैं कि वहां से अफस्पा को हटाया जा सकता है, लेकिन इसपर जो भी निर्णय लेना होगा वह गृह मंत्रालय ही लेगा।'

अफस्पा पर गृह मंत्री अमित शाह ने भी कुछ दिनों पहले दिए गए एक इंटरव्यू में बड़ी बात कही थी। उन्होंने कहा था कि हमलोग भी अफस्पा को हटाने पर विचार कर रहे हैं। बता दें कि केंद्र सरकार ने साल 1990 में जम्मू-कश्मीर में अफस्पा लगाने का फैसला किया था। केंद्र का मानना था कि जम?मू-कश?मीर का अधिकांश हिस्सा अशांत है, ऐसे में सुरक्षाबलों को अधिक शक्तियां और अधिकार देना जरूरी है, ताकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था को बनाए रखा जा सके। राजनाथ सिंह से पाकिस्तान और आतंकवाद को लेकर भी सवाल पूछा गया। रक्षा मंत्री

राजनाथ सिंह ने कहा, 'यदि आतंकवादी पाकिस्तान भागते हैं तो हम उनका पीछा करेंगे और उन्हें पाकिस्तानी जमीन पर मारेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सच कहाज्भारत के पास वह क्षमता है और पाकिस्तान ने उसे समझना भी शुरू कर दिया है।'

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2024 से संबंधित कार्यक्रम में 5000 से अधिक योग उत्साही भाग लेंगे

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2024 की 100 दिनों की चल रही उलटी गिनती के कार्यक्रम में 7 अप्रैल, 2024 को पुणे (महाराष्ट्र) के वाडिया कॉलेज स्पोर्ट्स ग्राउंड में आयोजित होने वाले 75वें दिन के काउंटडाउन कार्यक्रम में 5000 से अधिक योग प्रेमी भाग लेंगे। समग्र स्वास्थ्य और कल्याण दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करने और योग की शक्ति को ध्यान में रखते हुए इस महोत्सव में ग्राम प्रधानों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा कार्यकर्ताओं/स्वयं सहायता समूहों, आयुष स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों, निवासी कल्याण संघों (आरडब्ल्यूए), महिला कल्याण संगठनों, स्कूली बच्चों और अन्य लोगों की सक्रिय भागीदारी होगी। इस उत्सव में प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों, योग गुरुओं/उस्तादों तथा योग एवं संबद्ध विज्ञान के विशेषज्ञों और संस्थानों के अग्रणी व्यक्तियों की भी उपस्थिति होगी।

'पाकिस्तान चुनाव के लिए बना है कांग्रेस का घोषणापत्र', ग्रैंड ओल्ड पार्टी पर हिमंत बिस्वा सरमा का वार

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को जोरहाट के टिटाबोर बोकाहोला बागिसा में एक चुनाव अभियान के दौरान मंच पर नृत्य करते देखा गया। यह प्रचार रैली जोरहाट संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार टोपोन कुमार गोगोई के समर्थन में थी। सरमा ने उत्साहपूर्वक तालियां बजाईं और एक लोकप्रिय झुमुर गीत पर नृत्य किया। इस लोकसभा चुनाव 2024 में असम में भाजपा 14 में से 11 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि उसकी सहयोगी पार्टियां, असम गण परिषद (एजीपी), दो सीटों (बारपेटा और धुबरी) और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) एक सीट (कोकराझार) पर चुनाव लड़ रही हैं।

कांग्रेस के घोषणापत्र पर सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि उनका घोषणापत्र पूरी तरह से तुष्टिकरण के बारे में है...वे समाज को विभाजित करना चाहते हैं और सत्ता में आना चाहते हैं। हम उनकी तुष्टिकरण की राजनीति की निंदा करते हैं। कांग्रेस के घोषणापत्र को देखकर ऐसा लग रहा है कि उन्होंने पाकिस्तान चुनाव के लिए घोषणापत्र जारी कर दिया है। असम में कुल 14 संसदीय क्षेत्र हैं। असम की 14 लोकसभा सीटों के लिए तीन चरणों में 19 अप्रैल, 26 अप्रैल और 7 मई को चुनाव होंगे। उन्होंने कहा कि आज हमारी पार्टी का स्थापना दिवस है। बीजेपी ने देश के लिए काम किया है। राष्ट्र हमारा धर्म है...मैं पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर लोगों को बीजेपी में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता हूं। 2014 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने असम की 14 में से 7 सीटें हासिल कीं। कांग्रेस और ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) दोनों ने तीन-तीन सीटों का दावा किया।

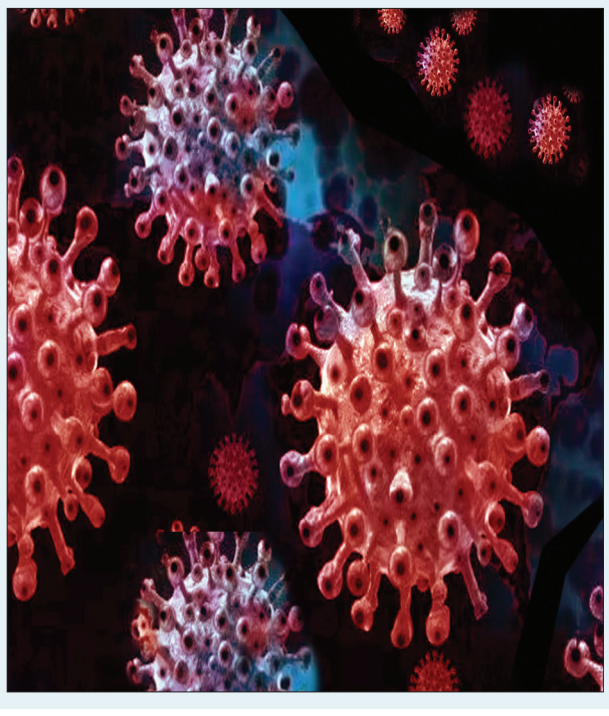

कोरोना से सौ गुना ज्यादा खतरनाक बीमारी ने बढ़ाई चिंता, वैज्ञानिकों ने कहा दुनिया के लिए बड़ा संकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। कोरोना के बाद अब दूसरी बीमारी ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। डॉक्टरो और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने एच5एन1 को लेकर चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि बर्ड फ्लू एच5एन1 पूरी दुनिया के लिए बड़ा संकट है। डॉक्टरों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बर्ड फ्लू एच5एन1 के संभावित खतरे को चिंता जताई है। साथ ही उन्होंने चिंता भी जताई है। उनका कहना है कि यह नई बीमारी कोरोना महामारी से 100 गुना अधिक खतरनाक साबित हो सकती है। इस बात की भी प्रबल संभावना है कि इस फ्लू से संबंधित आधे से अधिक लोगों की मौत भी हो सकती है। उन्होंने आशंका व्यक्त की है कि वायरस का संक्रमण स्तर गंभीर हो सकता है जो कि एक वैश्विक महामारी को जन्म दे सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा ए का एक उपप्रकार है। यह बर्ड फ्लू वायरस का एक समूह है। इसे अत्यधिक रोगजनक माना जाता है क्योंकि यह पोल्ट्री में गंभीर और अक्सर घातक बीमारी का कारण बनता है। यह मुख्य रूप से पक्षियों को प्रभावित करता है। एच5एन1 जंगली पक्षियों और कभी-कभी मनुष्यों सहित स्तनधारियों को भी संक्रमित कर सकता है। इंसानों और जानवरों के लिए यह बीमारी घातक हो सकती है। एच5एन1 वायरस का पहली बार पता 1996 में चीन में पक्षियों में लगाया गया था। एक साल बाद हांगकांग में इसका प्रकोप हुआ।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, 2003 के बाद से एच5एन1 बर्ड फ्लू से पीड़ित प्रत्येक 100 रोगियों में से 52 की मृत्यु हो गई है। आपको बता दें कि अब तक 887 मामले सामने आए हैं, उनमें से कुल 462 मौतें हुई हैं। वहीं, कोविड-19 से संक्रमित रोगियों की मृत्यु दर 0.1 प्रतिशत से कम है। हालाँकि, महामारी की शुरुआत में यह लगभग 20 प्रतिशत था।पिट्सबर्ग में एक प्रमुख बर्ड फ्लू शोधकर्ता डॉ. सुरेश कुचिपुड्डी ने चेतावनी दी है कि एच5एन1 में महामारी पैदा करने की क्षमता है। ऐसे इसलिए क्योंकि यह मनुष्यों के साथ-साथ कई स्तनधारी जानवरों को संक्रमित करने की क्षमता रखता है। फार्मास्युटिकल उद्योग सलाहकार और कनाडा स्थित फार्मास्युटिकल कंपनी बायोनियाग्रा के संस्थापक जॉन फुल्टन ने भी इन चिंताओं को दोहराया है। उन्होंने भी कहा है कि एच5एन1 अगर महामारी का रूप लेता है तो यह काफी गंभीर होगा। यह कोविड-19 से कहीं अधिक घातक हो सकता है। फुल्टन ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह कोविड से 100 गुना अधिक खराब है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कांग्रेस की घोषणाएं

देश की सबसे पुरानी पार्टी ने चुनावी घोषणापत्र जारी करने के साथ ही अपना आगामी एजेंडा सामने रख दिया है। कांग्रेस के घोषणापत्र में युवाओं, महिलाओं, किसानों, श्रमिकों, संविधान, अर्थव्यवस्था, संघवाद, राष्ट्रीय सुरक्षा और पर्यावरण पर ज्यादा ध्यान देने की कोशिश हुई है। पिछड़ी जातियों के उत्थान के प्रति कांग्रेस की घोषणाएं विशेष रूप से चर्चा का विषय बन रही हैं। बेशक, संविधान लागू होने के इतने साल बाद भी जातिगत भेदभाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और इसे खत्म करने के लिए देश की आने वाली सरकारों को सकारात्मक उपायों के साथ काम करना होगा। अपने घोषणापत्र में कांग्रेस ने इस मंशा को जाहिर करने की कोशिश की है। विकास की दौड़ में पीछे रह गए लोगों के लिए हर पार्टी को पहल करनी ही चाहिए। एक बड़ी घोषणा यह है कि संविधान संशोधन के जरिये आरक्षण की सीमा को 50 प्रतिशत से बढ़ाया जाएगा। यदि अगली सरकार इस दिशा में विधायी कदम उठाती है, तो यह स्वागतयोग्य है। वास्तव में, बिहार की जातिगत जनगणना से साफ हो गया है कि पिछड़ी जातियों को उनकी आबादी के हिसाब से आरक्षण नहीं मिल पा रहा है। अत- आबादी के अनुपात के साथ आरक्षण की विसंगतियों को दूर करने को कांग्रेस ने जरूरी माना है। पार्टी ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए भी 10 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का वादा किया है। कांग्रेस ने भाषायी और धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए संविधान में दिए गए अधिकारों को बनाए रखने का वचन दोहराया है। यह एक ऐसा मोर्चा है, जहां कांग्रेस निरंतर भाजपा को चुनौती दे रही है। नई बात यह है कि चुनाव जीतने पर पार्टी संबंधित समुदायों की भागीदारी और सहमति से 'पर्सनल लॉ' में सुधार को प्रोत्साहित करेगी। मतलब, समान नागरिक संहिता का विषय आने वाले समय में प्रासंगिक बना रहेगा। यहां हम सभी पार्टियों से समझदारी की उम्मीद करेंगे। वाकई, समाज को समग्रता में देखने की जरूरत है और यहां किसी को भी शिकायत का मौका नहीं मिलना चाहिए। कांग्रेस का एलजीबीटी समूह से किया गया वादा भी उल्लेखनीय है, पर उससे भी खास है रोजगार संबंधी वादा। कांग्रेस रोजगार की बात लगातार कर रही है और इससे वोट जुटाने में उसे सुविधा होगी। उसने युवा न्याय कार्यक्रम के साथ बेरोजगारी से युद्ध स्तर पर निपटने का वादा किया है। प्रत्येक गरीब भारतीय परिवार को सालाना एक लाख रुपये देने के लिए महालक्ष्मी योजना की भी चर्चा हो रही है। कांग्रेस महिलाओं को भी लुभाने की पूरी कोशिश कर रही है। कांग्रेस ने वादा किया है कि सत्ता में आने पर वह लोकसभा और विधानसभाओं में महिला आरक्षण को तत्काल लागू करेगी। खास यह भी है कि कांग्रेस ने 2025 से महिलाओं के लिए केंद्र सरकार की 50 प्रतिशत नौकरियां आरक्षित करने का वादा किया है। इतना ही नहीं, न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी का भी वादा किया गया है। बुनियादी रूप से लोकतंत्र को बचाने, भय दूर करने और स्वतंत्रता बहाल करने का वादा तो वह लगातार करती आई है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन व्यवस्था में सुधार, चीन से जमीन वापस लेने, अग्निपथ योजना को खत्म करने का वादा भी प्रत्याशित है। कुल मिलाकर, कांग्रेस के वादे समकालीन राजनीति और भाजपा को संबोधित हैं। अब हम इससे भी व्यापक घोषणापत्र की उम्मीद सत्तारूढ़ पार्टी से कर सकते हैं। जब सारी घोषणाएं सामने आ जाएंगी, तब घोषणाओं की तुलना का रोचक होना तय है।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

स्वास्थ्य रक्षा सरकार के साथ आमजन का भी दायित्व

(लेखक- सुरेश सिंह बैस)

(7 अप्रैल विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर)

भारत में आबादी के मुकाबले स्वास्थ्य सेवाओ की बहुत कमी है, स्वास्थ्य सेवांओ से यह तात्पर्य नहीं है कि केवल डाक्टरों की सुविधा ही, बल्कि डाक्टरों के आने वाली उन कई सहायक सेवाओं से है, जिसकी मदद से डाक्टर इलाज कर पाते हैं। वहीँ चिकित्सा क्षेत्र में विकसित एवं विकासशील देश अरबों रुपए शोध कार्य पर खर्च कर रहे हैं। पर दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि जिन बीमारियों के लिए नयी-नयी दवाईयां खोजी जा रही हैं वे अमीरों की बीमारियां हैं, दिल संबंधी बीमारी, उच्च रक्त चाप, कैंसर, लिवर, किडनी प्रत्यारोपण और, सबसे बड़ी अमीरों की बीमारी है एड्स,। हर साल भारत सहित एशियाई देशों और अफ्रीका में लाखो व्यक्ति मलेरिया, कुपोषण, डायरिया, हैजा, डिहाईड्रेशन और टीकों एवं दवा के अभाव में दम तोड़ देते हैं, और इधर चिकित्सा विज्ञान प्लास्टिक सर्जरी के शोध करने में जुटा हुआ है। यहां यह भी गौर करने की बात है कि जिस तरह से कोरोना नामक महामारी 2019 में आई और लगभग 2024 में चली भी गई। इस अनपेक्षित महामारी ने करोड़ों की संख्या में लोगों की जान ली थी।

स्वास्थ्य की महत्ता वर्षों पूर्व नेपोलियन बोनापार्ट ने समझकर ही यह कहा था कि अगर मुझे स्वस्थ्य माएं मिले तो मैं एक सुदृढ़ राष्ट्र का निर्माण कर सकता हूं। नेपोलियन की यह उक्ति आज भी प्रासंगिक है। किसी भी राष्ट्र के सुदृढ़ निर्माण में स्वस्थ्य मांएं और सुसंस्कृत महिलाओ की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि वे ही तो आने वाली स्वस्थ्य पीढ़ी की जन्मदात्री हैं। संभवत: इसी सत्य को स्वीकार करते हुए भारत सहित प्रदेशों की सरकारों ने अपने वृहद स्वास्थ्य कार्यक्रम को क्रियान्वित किया है जिसके केंद्र में महिलाओं एवं बच्चों को रखा गया है, प्रदेशों की स्वास्थ्य क्षेत्र में देखा जाए तो पिछले वर्षों में कोई उल्लखनीय प्रगति नही हो पाई है। जैसे अविभाजित मध्यप्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़े राज्यों में है। 1991 की जनगणना के अनुसार यहां की कुल लगभग जनसंख्या 66135862 व्यक्ति मानी जाती है। लेकिन राज्य स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवाओं की दृष्टि से अभी भी देश के अनेक राज्यों से काफी पिछड़ा है।

स्वास्थ्य और स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि से मध्यप्रदेश राज्य के पीछे रह जाने के कारणों में यहां साक्षरता ,शिक्षा की कमी, आर्थिक पिछड़ापन, परिवहन के साधनों की न्यूनता और जनसंख्या में जनजाति संख्या का बाहुल्य है। 1981 के आंकड़ों के अनुसार राज्य में साक्षरता का प्रतिशत 27.87 था, जो देश के साक्षरता प्रतिशत से काफी कम है। गैर शिक्षित लोग अंधविश्वासी और जादू टोनों से बड़ी बड़ी बीमारियों का उपचार करते हैं। इससे स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पर्याप्त मात्रा में धन नहीं जुट सका है। परिवहन की अपर्याप्त सुविधा के कारण मध्यप्रदेश में पर्याप्त संख्या में स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सालय और औषधालय नहीं खुल सके हैं। राज्य की जनसंसवा में लगभग 22.97 प्रतिशत भाग अनुसूचित जन जातियों का है जो दुर्गम घने वनों और पहाड़ी क्षेत्रों में निवास करती है। इन क्षेत्रों में सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं के विकास में अत्यंत कठिनाई का सामना करना पड़ता है। जनजाति के लोग सभ्य लोगों से मिलना जुलना पसंद नहीं करते हैं। वे अपना इलाज झाड़फूंक और जादू टोनों से करते है। अत: ऐसी स्थिति में यहां स्वास्थ्य सेवाओं का विकास अवरुद्ध रहा, फलत: मध्यप्रदेश देश के अन्य राज्यों की तुलना में स्वास्थ्य और स्वास्थ्य सेवाओं में काफी पीछे रह गया। क्या आपको पता है कि सारी दुनिया में रोज पचास हजार से ज्यादा बच्चे मौत के मुंह में जा रहे हैं। वजह अतिसार, निमोनिया, पानी की कमी, कुपोषण जैसी साधारण बीमारियां हैं। सारी दुनिया में हथियारों और फौज के खरचो के हिसाब को देखे तो पता चलेगा कि कई सौ करोड़ डालर रोज खर्च किए जा रहे हैं। हर दिन खर्च होने वाले ये करोड़ों डालर सिर्फ इसलिए कि हमारी दुनिया सुरक्षित रह सके। इसके दूसरी तरफ जिन लोगों के लिए इस दुनिया को बचाया जा रहा है, उनकी बेसमय मौत रोकने के लिए होने वाले खर्च फौजी खर्च के पासंग भी नहीं है। भारत जैसे तीसरी दुनिया के देश में हर वर्ष करीब बीस लाख शिशु अपना पहला जन्मदिन देखे बगैर मौत का ग्रास बन जाते हैं। क्या कारण है कि हमारे पास काफी हंद तक असमय मौत रोकने के चिकित्सकीय सुविधाओं के होने के बावजूद भी हम इन्हें रोकने में नाकामयाब हो रहे हैं। कारण है सामाजिक जागरुकता का अभाव। दरअसल समस्या ,कही यह है कि स्वास्थ्य को बीमारी से जोड़कर देखा जाता है तो कहीं बीमारी की गैर मौजूदगी स्वास्थ्य का लक्षण समझा जाता है, जबकि ऐसा नहीं है। एक स्वस्थ्य व्यक्ति का अर्थ मानसिक, शरीरिक, नैतिक रूप से उसका अपने वातावरण से सही संबंध होना है। स्वास्थ्य की इस पूरी परिभाषा की अनुपस्थिति बहुत सी समस्याओं को जन्म देती है। भारतीय संदर्भो में अपने भविष्य की सुरक्षा की जब हम बात करते हैं तो हमे स्वास्थ्य की इस परिभाषा और उसके सामजिक संदर्भो को केंद्र में रखना होगा। अपने मौजूदा हालात में तथ्यों को सिलसिलेवार देखें तो वे कुछ इस तरह से होंगे। भारत में रोज होने वाली मौतों का कारण है प्रमुख कुछ बीमारियां 1 गलघोंटू 2 काली खांसी 3 टेटनस 4 तपेदिक (टीबी) 5 पोलियो 6 खसरा (मीजल्स)। इन सभी रोगों से बचपन में टीकाकरण द्वारा बचाव हो सकता है। इन तथ्यों की रौशनी में एक बार फिर यदि बच्चों के भविष्य को देख तो तस्वीर उतनी स्याह नही रहती। यदि देश के बच्चों को टीके की सुविधा सामान्य रुप से मिलने लगे तो इससे बच्ची की मृत्युदर में कमी होगी। मृत्यु दर में कमी का अर्थ है कि माता पिता में बच्चों के भविष्य के प्रति विश्वास जागेगा और जन्मदर घटेगी, जन्मदर घटने के साथ वे बहुत सी बुनियादी सुविधाएं लोगों को मुहैया होने लगेगी जो अब तक उपलब्ध नहीं हैं।

यह बातें जितनी संभव लगते हैं उतनी है नहीं एक वैज्ञानिक सत्य है की तरक्की का एक सीधा असर यह होता है की जनसंख्या पर अपने आप नियंत्रण हो जाता है। इसे वैज्ञानिक डेमोग्राफिक ट्रांजिशन कहते हैं। यदि टीकाकरण और सामान्य स्वस्थ लोगों तक पहुंचाने की कोशिश में यदि इस डेमोग्राफिक ट्रांजिशन की स्थिति में पहुंचते हैं तो एक बड़ा कदम होगा। सर्दी के अंत तक सबके लिए स्वास्थ्य की मुहीम हमारे देश में चलाई जा रही है। इसका पहला मोर्चा टीकाकरण टीकाकरण ही है। इस मोर्चे पर पिछले दिनों काफी कार्य

हुआ है। विभिन्न इलाकों में सत्तर से नब्बे प्रतिशत के बीच टीकाकरण होने लगा है। राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान जो 1978 में प्रारंभ किया गया था आज तक की स्थिति तक आते-आते खासा काम कर चुका है। टीकाकरण और इस तरह के दूसरे अभियानों में जो दिक्कतें आती है वह सामाजिक अधिक होती हैं। हमारे देश में स्वास्थ्य और बीमारी जैसी बातें व्यक्तिगत या पारिवारिक समस्याएं समझी जाती है। सारी वैज्ञानिक समझ के बाद यदि लोगों का सोचने का रवैया नहीं बदलता तो सफलता संदिग्ध हो जाती है। जरूरत इस बात की है कि टीकाकरण जैसी बातों के हर पहलू पर गांव देहात तक के स्तर पर चर्चा हो। सारे देश में जानकारी का ऐसा वातावरण बने जो लोगों के सीखने के तरीकों में बदलाव लाए।

दूसरी विडम्बना भी हमारे देश में मौजूत है। प्राय: यह देखते हैं कि हमारे देश में अमीरों के लिए बड़े बड़े अस्पताल हैं। छोटे छोटे शहरों में भी- प्राइवेट क्लीनिक और नर्सिंग होम खुले हुए हैं। इनमें चिकित्सा की आधुनिकतम सुविधाएं रहती है, साफ सफाई और सेवा सुश्रुषा पर ध्यान दिया जाता है। नर्सिंग होम या अस्पताल में आपरेशन, डीलिवरी, या इलाज इतनी मंहगी होती है कि गरीबों की चादर छोटी पड़ जाती है। जिनके पास पैसे नहीं है, उनकी बीमारियों का इलाज आज भी सरकारी दवाखानों में मुफ्त बंटने वाली लाल और पीली गोलियों से होता है। सरकारी हास्पिटल के जनरल वार्ड एक तरह से धनहीन लोगो के लिए आरक्षित रहते हैं। वहां इतनी गंदगी लापरवाही और धांधली रहती है कि स्वस्थ आदमी भी बीमार पड़ जाए। पर लाचार गरीब आदमी कर ही क्या सकता है। दवाएं और मंहगी होती जा रही हैं। टीबी, टायफाइड, चर्मरोग, कालरा, हैजा आंत्रशोथ जैसी छोटेआदमी की बीमारियों का इलाज खर्चीला हो गया है। और हैरत इस बात पर होती है कि चिकित्सा वैज्ञानिक अपनी तरक्की की दुन्दुभि बजा रहे हैं। आम आदमी सर्दी खांसी में दूध में हल्दी पीता है, पेट दर्द में हींग, फोड़े फुंसी के लिए लिए अंकोर का गरम पत्ता, चोट के लिए कत्था चुना या हल्दी प्याज इस्तेमाल करने वाला गरीब तबका मंहगाई के चलते और क्या कर सकता है। यह है हमारी तरक्की का असली खाका, जो चिकित्सा विज्ञान के दावों को खोखला और कागजी साबित करता है। बहुत बार बड़ी समस्या लगने वाली बातों का निदान एक छोटे कदम की शुरुआत से हो जाती है। एक चीनी कहावत है कि हजारों मील के सफर की शुरुआत एक छोटे कदम से होती है। अत: इस समस्या से निजात पाने प्रत्येक व्यक्ति अपने छोटे कदमों से इस पहल के लिए शुरुआत करेगा इन्ही शुभाकांक्षाओं के साथ।

कुएं बचाने से ही बच पायेगा जीवन

पंकज चतुर्वेदी

अभी गर्मी शुरू ही हुई है, इसके बावजूद बुंदेलखंड के बड़े शहरों में से एक छतरपुर के हर मोहल्ले में पानी की त्राहि-त्राहि शुरू हो गई है। तीन लाख से अधिक आबादी वाले इस शहर में सरकार की तरफ से लगाए गए कोई 2100 हैंडपंपों में से अधिकांश या तो हांफ रहे हैं या सूख गए हैं। ग्रामीण अंचलों में भी हर बार की ही तरह हैंडपंप से कम पानी आने की शिकायत आ रही है। पानी की कमी के चलते छुट्टा मवेशियों की समस्या रबी की फसल के लिए खतरा बन गई है। सारे देश में बरसात के बीत जाने के बाद पानी की त्राहि-त्राहि अब सामान्य बात हो गई है। हताश जनता को जमीन की छाती चीर कर पानी निकालने या बड़े बांध के सपने दिखाये तो जाते हैं लेकिन जमीन पर कहीं पानी दिखता नहीं। आखिर नदियों में भी तो प्रवाह घट ही रहा है। आने वाले साल मौसमी बदलाव की मार के कारण और अधिक तपेंगे और पानी की मांग बढ़ेगी। ऐसे में हमारे पारंपरिक कुएं ही मानव-अस्तित्व को बचा सकते हैं। हमारे आदि-समाज ने कभी बड़ी नदियों को छेड़ा नहीं, वे बड़ी नदी को अविरल बहने देते थे- साल के किसी बड़े पर्व-त्योहार पर वहां एकत्र होते बस। खेत-मवेशी के लिए या तो छोटी नदी या फिर तालाब-झील। घर की जरूरत जैसे पीने और रसोई के लिए या तो आंगन में या फिर बसाहट के बीच का कुआं काम करता था। यदि एक बाल्टी की जरूरत है तो इंसान मेहनत से एक ही खींचता था। किफायत से खर्च करता। अब की तरह नहीं कि बिजली की मोटर से एक गिलास पानी की जरूरत के लिए दो बाल्टी पानी बर्बाद कर दिया जाए। पंजाब की प्यास भी बड़ी गहरी है। पांच नदियों के संगम से बना यह समृद्ध राज्य खेती के लिए अंधाधुंध भूजल दोहन के कारण पूरी तरह 'डार्क ज़ोन' में है। यहां 150 में से 117 ब्लॉक में भूजल लगभग सिमट चुका है। कुछ साल पहले पलट कर देखें तो पाएंगे कि इस राज्य को खुश और हराभरा बनाने वाले दो लाख कुएं थे। जो अब बंद पड़े हैं। गुरु की नगरी अमृतसर में ही 1200 कुएं हुआ करते थे। इस शहर में पाइप से पानी घर तक भेजने का काम सन 1886 में शुरू हुआ था और तब शहर की प्यास बुझाने का जिम्मा 1200 कुओं पर था। जो अब या तो लुप्त हो गए या बेपानी हैं। भारत के लोक जीवन में परंपरा रही है कि घर में बच्चे का जन्म हो या फिर नई दुल्हन आए, घर-मोहल्ले के कुएं की पूजा की जाती है- जिस इलाके में जल की कीमत जान से ज्यादा हो वहां अपने घर के इस्तेमाल का पानी उगाहने वाले कुएं को मान देना तो बनता ही है। बीते तीन दशकों के दौरान भले ही प्यास बढ़ी हो, लेकिन सरकारी व्यवस्था ने घर में नल या नलकूप का ऐसा प्रकोप बरपाया कि पुरखों की परंपरा के निशान कुएं गुम होने लगे। अब कुओं की जगह हैंडपंप पूज कर ही परंपरा पूरी कर ली जाती है। वास्तव में हर नए जीवन को सीखना होता था कि आंगन का कुआं ही जीवन का सार है। समझना होगा कि असली समस्या कम बरसात या तीखी गर्मी नहीं है, वह तो यहां सदियों, पीढ़ियों से होता रहा है। पहले यहां के बाशिंदे कम पानी में जीवन जीना जानते थे। आधुनिकता की अंधी आंधी में पारंपरिक जल-प्रबंधन तंत्र नष्ट हो गए और उनकी जगह सूखा और सरकारी राहत जैसे शब्दों और नैसर्गिक जल साधनों के अधिक से अधिक शोषण की नीतियों ने ले ली। बड़े करीने से यहां के आदि-समाज ने बूंदों को बचाना सीखा था। दो तरह के तालाब- एक केवल पीने के लिए, दूसरे केवल मवेशी व सिंचाई के। पहाड़ की गोदी में बस्ती और पहाड़ की तलहटी में तालाब। तालाब के इर्दगिर्द कुएं ताकि समाज को जितनी जरूरत हो, उतना पानी ले। पिछले साल ही संसद में बताया गया कि छठवें लघु सिंचाई गणना के आंकड़ों के मुताबिक देश में अभी भी 82 लाख 78 हजार 425 कुएं बकाया हैं। इनमें सबसे अधिक 27 लाख 49 हजार 88 उस महाराष्ट्र में हैं जहां किसानों की आत्महत्या का आंकड़ा सर्वाधिक है। उसके बाद उस मध्य प्रदेश में 13 लाख 36 हजार 682 कुओं की चर्चा अकारण होगी जहां प्यास और पलायन के कारण बदनाम बुंदेलखंड है। तमिलनाडु में इससे अधिक 15 लाख 77 हजार 198 कुएं हैं लेकिन आज भी इस राज्य में ऐरी पद्धति के चलते दूरस्थ अंचल तक तालाब-कुओं का प्रबंधन बेहतर है। दुर्भाग्य है कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में महज 85224 कुओं का रिकार्ड मिल पाया। अकेले लखनऊ में 12653 कुओं व तालाब का रिकार्ड तो सरकारी फाइल में ही है। यदि बुंदेलखंड में ही देखें तो आज भी कुओं के नाम पर सार्वजनिक नल-जल योजनाएं चल रही हैं। कुओं का रखरखाव कम खर्चीला है। कुओं के इस्तेमाल से कार्बन उत्सर्जन से धरती को गर्म नहीं करते। कुओं को थोड़ी-सी बरसात होने पर भी हर बूंद को एकत्र करने का पात्र बनाना बहुत सरल होता है। प्राचीन जल संरक्षण व स्थापत्य के बेमिसाल नमूने रहे कुओं

को ढकने, उनमें मिट्टी डाल कर बंद करने और उन पर दुकान-मकान बना लेने की रीत वर्ष 90 के बाद तब शुरू हुई जब लोगों को लगने लगा कि पानी, वह भी घर में मुहैया करवाने की जिम्मेदारी सरकार की है। फिर आबादी के बोझ ने जमीन की कीमत को प्यास से अधिक महंगा बना दिया। तरह-तरह की मशीन बेचने वालों ने खुले कुएं के पानी को अशुद्ध और बीमारी का घर बताने के प्रचार किये। सनद रहे जब तक कुएं से बाल्टी डाल कर पानी निकालना जारी रहता है उसका पानी शुद्ध रहता है, जैसे ही पानी ठहर जाता है, उसकी दुर्गति शुरू हो जाती है। कई करोड़ की जल-आपूर्ति योजनाएं अब जल-स्रोत की कमी के चलते अपने उद्देश्यों को पूरा नहीं कर पा रही हैं। यह समझना जरूरी है कि जलवायु परिवर्तन के साल दर साल गहराने के चलते भारत में लघु व स्थानीय परियोजनाएं ही जल संकट से जूझने में समर्थ हैं। अभी भी देश में बचे कुओं को कुछ हजार रुपये खर्च कर जिंदा किया जा सकता हे। एक बार कुओं में पानी आ गया तो समाज फिर खुद लोक परंपरा और प्यास दोनों के लिए कुओं पर निर्भर हो जाएगा।

विचार मंथन

कांग्रेस का न्याय पत्र 2024, घोषणा पत्र में 5 न्याय और 25 गारंटियाँ

(लेखक- सनत जैन)

लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी ने अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इस घोषणा पत्र में कांग्रेस ने 10 न्याय और 25 गारंटी मतदाताओं को दी हैं। कांग्रेस ने युवाओं को रिझाने के लिए पक्की नौकरी, 100000 रूपये का स्टाइफंड देने, 30 लाख सरकारी नौकरियों के रिक्त पदों को भरने की घोषणा की है। 14 लाख अतिरिक्त नौकरियां देने का वादा भी किया है। पेपर लीक जैसे मामले में मुआवजा देने की बात कर युवाओं को लुभाया गया है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में 2025 के चुनाव से महिलाओं को आरक्षण देने की बात कही है। महिलाओं को 50 फ़ीसदी नौकरी में आरक्षण का लाभ 2025 से देने का वादा, भारतीय महिला बैंक तथा प्रत्येक गरीब परिवार को 100000 रूपये वार्षिक की आर्थिक सहायता का वायदा कर महिलाओं को अपनी ओर आकर्षित किया है। कांग्रेस जातिय जनगणना कर एसटी, एससी, ओबीसी और गरीब सामान्य वर्ग के लिए आरक्षण में जो अभी 50 फ़ीसदी की सीमा है, उसको हटाकर सभी वर्गों को आर्थिक आधार पर आरक्षण देने की बात कही है। भूमिहीनों को जमीन देने, संविदा कर्मियों को नियमित करने, वरिष्ठ नागरिकों को रेल एवं सड़क मार्ग की यात्रा पर किराए में छूट ₹1000 मासिक की पेंशन तथा अल्पसंख्यकों के अधिकार सुनिश्चित किए जाने की बात की है। कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में भाजपा की वाशिंग मशीन की जांच और दल बदल कानून में सुधार करने की घोषणा की है। चुनावी बांड के माध्यम से भाजपा द्वारा जो चंदे का धंधा किया गया है, उसकी जांच करने के साथ-साथ, नोटबंदी, राफेल, पेगासस स्पाइवेयर की जांच कराने की बात भी अपने घोषणा पत्र में कही है। कांग्रेस ने जो घोषणा पत्र जारी किया है, उससे भाजपा और मोदी सरकार की मुसीबतें बढ़ेंगी, इतना तो तय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि वह घोषणा पत्र के स्थान पर संकल्प पत्र लाएंगे। प्रधानमंत्री निरंतर अपने चुनावी भाषण में गारंटी पर गारंटी देने की बात कर रहे हैं, लेकिन अब स्थितियां बदल चुकी हैं। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में मोदी के नाम की हवा चल रही थी। मोदी की आंधी के आगे सब धराशाई हो रहे थे। 2014 के लोकसभा चुनाव और 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा और मोदी को इसका लाभ मिला। जो गारंटी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी थी। अच्छे दिन लाने, महंगाई कम करने, काला धन खत्म होगा तो सभी के खाते में 15 लाख आएंगे, 5 साल का वक्त मांगा था यह सभी गारंटी जमीन पर नहीं उतरी हैं। सब हवा हवाई होकर रह गई हैं। गरीब और मध्यम वर्ग के मतदाता महंगाई, बेरोजगारी और भाजपा द्वारा जो नए-नए सपने मतदाताओं को दिखाए जाते हैं। भाजपा पुराने दिखाए हुए सपने भूल जाती है। अब उन सपनो का कोई असर होता मतदाताओं के बीच नहीं दिख रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के लिए चुनौतियां बढ़ गई हैं। कांग्रेस के पप्पू राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से आम जनमानस के बीच में संपूर्ण भारत में एक नई छवि बनाई है। जनता को उन पर विश्वास भी होने लगा है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी, कि अब पूंजीवाद बनाम समाजवाद की नई लड़ाई 2024 के चुनाव में देखने को मिल रही है। मोदी गारंटी पर मोदी की गारंटी का वायदा अब असरकारी नहीं रहा। भ्रष्टाचार को लेकर भी अब जनता प्रभावित नहीं हो रही है। जिन नेताओं के ऊपर भाजपा ने भ्रष्टाचार के बड़े-बड़े आरोप लगाए। उन्हीं को भाजपा में शामिल कर लिया। इससे भाजपा की साख कम हुई है। भाजपा के कार्यकर्ता भी नाराज हुए हैं। आम जनता भी यह मानकर चलने लगी है, जब तक नेता विपक्षी दलों में रहते हैं, तब तक उनके ऊपर भाजपा भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर जांच एजेंसियों से जांच कराने, और विपक्षी दलों के नेताओं को बदनाम किया जाता है। जब वह भाजपा में आ जाते हैं, तो उनकी जांच बंद कर दी जाती है। जो भाजपा में शामिल नहीं होते हैं, उन्हें जेलों में बंद कर दिया जाता है। कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र में आम जनता के हर वर्ग को समाहित किया गया है। भाजपा ने धार्मिक आधार पर जो 80-20 का खेल शुरू किया था। कांग्रेस ने लोगों की तकलीफों को जान लिया है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में 80 फ़ीसदी शोषित वर्ग को शामिल करके भाजपा को जवाब दिया है। विकास और इन्फ्रास्ट्रक्चर के स्थान पर लोगों की वास्तविक प्राथमिक जरूरतों को ध्यान में रखकर घोषणा पत्र जारी किया है। उस पर मतदाता विश्वास करेगा। 2024 की लोकसभा चुनाव के प्रचार-प्रसार के दौरान यह देखने को मिलने लगा है। विपक्षी दलों के प्रति एक सहानुभूति भी मतदाताओं के बीच में देखने को मिल रही है। धार्मिक ध्रुवीकरण का वह प्रभाव नहीं पड़ रहा है, जो 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में देखने को मिला था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 साल की सत्ता को पूरा करने जा रहे हैं। निश्चित रूप से इस बीच में इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में काफी काम हुए हैं। इसका लाभ बड़े-बड़े पूंजीपतियों को मिला है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

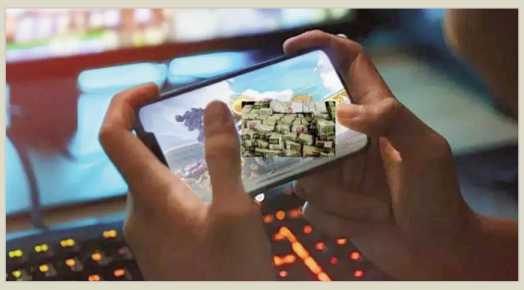

ई-गेमिंग कंपनियों पर दायर याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट ने अपने पास ट्रांसफर की

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने ई-गेमिंग कंपनियों पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगाये जाने के विरुद्ध नौ उच्च न्यायालयों में दाखिल याचिकाओं पर प्रामाणिक निर्णय संबंधी केंद्र की याचिका को स्वीकार कर सभी याचिकाएं अपने पास हस्तांतरित कर ली। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने केंद्र की याचिका मंजूर करते हुए उसे ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों की लंबित याचिकाओं पर 20 अप्रैल तक जवाब दाखिल करने को कहा है। पीठ ने एक नोडल अधिवक्ता को भी नियुक्त किया है, जो मामले में रिकॉर्ड एकत्र करेगा। अब इन याचिकाओं पर मई के पहले सप्ताह में सुनवाई होगी। ड्रीम 11, गेम्स 24गु णित7 और हेड डिजिटल वर्क्स जैसी कई ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों ने जीएसटी लगाए जाने को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक ऑनलाइन गेमिंग कंपनी को जारी 21 हजार करोड़ रुपये के जीएसटी सूचना नोटिस रद्द करने के कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगा दी थी।

जिम्बाब्वे नई मुद्रा जिग को अपनाएगा

हरारे । अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे ने हाल के महीनों में कीमतों में गिरावट और बढ़ती मुद्रास्फीति से निपटने के लिए नई मुद्रा अपनाने की घोषणा की। अधिकारियों कि कहना है कि इस कदम से जिम्बाब्वे में वर्षों से चले आ रहे मुद्रा संकट पर रोक लगाई जा सकती है। जिम्बाब्वे में नई मुद्रा सोमवार से प्रभावी हो जाएगी। रिजर्व बैंक ऑफ जिम्बाब्वे के गवर्नर जॉन मुशायवानु ने कहा कि नई मुद्रा को जिग कहा जाएगा और यह सोने के भंडार और प्रमुख विदेशी मुद्राओं पर आधारित होगी। मौजूदा मुद्रा जिम्बाब्वे डॉलर हाल के हफ्तों में लगातार दबाव में रही है, जिससे यह दुनिया की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्राओं में से एक बन गई। जनवरी से अब तक जिम्बाब्वे डॉलर में 70 प्रतिशत गिरावट आ चुकी है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार अफ्रीकी देश में मुद्रास्फीति पिछले साल दिसंबर के 26.5 प्रतिशत से बढ़कर इस साल जनवरी में 34.8 प्रतिशत हो गई थी। यह मार्च में और भी बढ़कर 55.3 प्रतिशत हो गई।

5जी प्रयोगशालाओं के लिए प्रायोगिक मॉड्यूल शुरू

नई दिल्ली । दूरसंचार सचिव नीरज मित्तल ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास में एक कार्यशाला के दौरान 5जी प्रयोगशालाओं के लिए प्रायोगिक लाइसेंस मॉड्यूल की शुरुआत की। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मित्तल ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये कुल 100 5जी प्रयोगशालाओं के लिए लाइसेंस मॉड्यूल पेश किए। बयान के मुताबिक दूरसंचार विभाग ने 5जी सेवाओं के परीक्षण के लिए कार्यक्रम की शुरुआत के बाद से अब तक लगभग 1,500 प्रायोगिक लाइसेंस जारी किए हैं। इस पहल का उद्देश्य शिक्षण संस्थानों के लिए प्रायोगिक लाइसेंस जरूरतों को सरल बनाना, सुचारू संचालन की सुविधा देने और 5जी क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देना है।

एटी रेलवे का युजिन मशीनरी के साथ संयुक्त उद्यम

नई दिल्ली । अम्बर एंटरप्राइजेज की इकाई एटी रेलवे ने दक्षिण कोरिया की रेल उपकरण विनिर्माता यूजिन मशीनरी लिमिटेड के साथ एक संयुक्त उद्यम शुरू किया है। अम्बर एंटरप्राइजेज इंडिया लिमिटेड ने एक बयान में कहा कि उसके पूर्ण-स्वामित्व वाली अनुषंगी सिडवाल रेफ्रिजरेशन इंडस्ट्रीज की इकाई एटी रेलवे इस संयुक्त उद्यम के तहत भारतीय ट्रेनों के लिए कई तरह के उत्पादों का निर्माण और विकास करेगी। यह उद्यम देश की तेज रफ्तार वाली रेलगाड़ियों एवं मेट्रो ट्रेनों, क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस), वंदे भारत ट्रेनों और ढुलाई वैगनों के ड्राइविंग गियर, कप्लर एवं पैंटोग्राफ तथा अन्य रेलवे उत्पादों को तैयार करेगा।बयान के मुताबिक, इस संयुक्त उद्यम में एटी रेलवे की बहुलांश हिस्सेदारी होगी।

रोल्स-रॉयस के लिए पर्ल 10एक्स मील का पत्थर साबित होगा

मुंबई ।

रोल्स-रॉयस ने कहा कि व्यावसायिक विमानन बाजार के लिए अपने नवीनतम एयरो इंजन पर्ल 10एक्स के लिए कंपनी के समर्पित बोइंग 747 परीक्षण स्थल पर उड़ान परीक्षण अभियान सफलतापूर्वक शुरू कर दिया है। इंजन को फ्रांसीसी विमान निर्माता डसॉल्ट द्वारा विशेष रूप से अपने ब्रैंड न्यू फ्लैगशिप विमान फाल्कन 10एक्े स को शक्ति देने के लिए चुना गया है। उड़ान परीक्षण की शुरुआत पर्ल 10एक्स कार्यक्रम और रोल्स-रॉयस के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह व्यापार विमानन बाजार में बढ़त पर केंद्रित है, जैसा कि पिछले साल के पूंजी बाजार दिवस में बताया गया था। पर्ल 10एक्स अत्याधुनिक पर्ल इंजन परिवार का सबसे नया सदस्य है और डसॉल्ट बिजनेस जेट को पावर देने वाला पहला रोल्स रॉयस इंजन है। फ्रांसीसी विमान निर्माता द्वारा अपने नए शीर्ष उत्पाद के लिए पर्ल 10एक्स का चयन व्यावसायिक विमानन में अग्रणी इंजन निर्माता के रूप में रोल्स-रॉयस की स्थिति का एक और प्रमाण है। डसॉल्ट, बिजनेस एविएशन, रोल्स रॉयस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने कहा, हम अपने उड़ान परीक्षण अभियान की शुरुआत के साथ इंजन विकास कार्यक्रम के इस महत्वपूर्ण अगले चरण में प्रवेश करने के लिए उत्साहित हैं। अब तक पूरे किए गए सभी परीक्षण इंजन की विश्वसनीयता की पुष्टि करते हैं और दिखाते हैं कि यह डसॉल्ट के फ्लैगशिप, फाल्कन 10एक्स को पावर देने के लिए प्रदर्शन जरूरतों को पूरा करेगा। पर्ल 10एक्स में एडवांस2 इंजन कोर है, जो व्यावसायिक विमानन क्षेत्र में उपलब्ध सबसे कुशल कोर है

और इसे उच्च प्रदर्शन व कम दबाव वाले सिस्टम के साथ जोड़ता है, जिसके चलते 18,000आईबीएफ से ज्यादा का बेहतर थ्रस्ट होता है। रोल्स-रॉयस बिजनेस एविएशन इंजन की पिछली पीढ़ी की तुलना में पर्ल 10एक्स कम शोर और उत्सर्जन प्रदर्शन प्रदान करते हुए 5 फीसदी ज्यादा दक्षता प्रदान करता है।

कच्चा तेल 91 डॉलर के पार, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में तेजी जारी है। ब्रेंट क्रूड उछलकर 92 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 87 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। विदेशी बाजार में हफ्ते के ओ खिरी दिन ब्रेंड क्रूड 0.52 डॉलर की उछाल के साथ 91.17 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर है। वहीं वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.32 डॉलर की बढ़त के साथ 86.91 डॉलर प्रति बैरल पर बना हुआ है।

आरबीआई ने आईडीएफसी और एलआईसी पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने केंद्रीय बैंक के कुछ नियमों के उल्लंघन के मामले के लिए आईडीएफसी फर्स्ट बैंक पर एक करोड़ रुपये और एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस पर 49.70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने कहा कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक पर ये जुर्माना लोन एंड एववांसेज-स्टेशनरी एंड अदर रे स्ट्रिक्शंस के कुछ निर्देशों का पालन न करने के कारण लगाया गया है। वहीं एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस पर नॉन-बैंकिंग वित्तीय कंपनी-हाउसिंग फाइनेंस कंपनी (रिजर्व बैंक) दिशानिर्देश, 2021 के प्रावधानों के उल्लंघन को लेकर ये जुर्माना लगाया गया है। हालांकि ये भी स्पष्ट है कि इस जुर्माने का असर इन दोनों के ग्राहकों पर नहीं होगा। वहीं इस बीच आरबीआई ने 4 नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों कुंडल्स मोटर फाइनेंस, नित्या फाइनेंस, भाटिया हायर परचेज और जीवनज्योति डिपॉजिट्स एंड एडवांसेज के सर्टिफिकेट ऑफ रजिस्ट्रेशन को रद्द कर दिया है। आईबीआई के द्वारा रद्द होने के बाद अब ये एनबीएफसी कारोबार नहीं कर सकती है।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार रहा

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों और मुनाफावसूली की वजह से बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। वहीं शुक्रवार को आरबीआई की मौ द्रिक से मिति की बैठक में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करने के फैसले से सेंसेक्स में तेजी दिखाई दी और निफ्टी कमजोर होकर बंद हुआ। बीते पांच कारोबारी दिनों में से शेयर बाजार में तीन दिन तेजी और दो दिन गिरावट रही। भारतीय इक्विटी सूचकांक सोमवार को एशियाई बाजारों में तेजी और अमेरिका में महंगाई के आंकड़ों में मामूली राहत के बाद हरे निशान पर खुले। सोमवार को बीएसई सेंसेक्स 533 अंक बढ़कर 74,189 पर खुला और 363.20 अंकों की बढ़त के साथ 74,014.55 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 178 अंक की बढ़त के साथ 22,506 के स्तर पर खुला और 135.10 अंक मजबूत होकर 22,462.00 के स्तर पर बंद हुआ। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन शेयर बाजार में कमजोर शुरुआत हुई। मंगलवार को सेंसेक्स में 57.62 अंकों की मजबूती के साथ 74,043.96 के स्तर पर खुला और 110.64 अंकों की गिरावट के साथ 73,903.91 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 31.71 चढ़कर 22,493.70 पर खुला और 8.71 अंक गिरकर 22,453.30 के स्तर पर बंद हुआ।

शेयर बाजार में बुधवार को भी लाल निशान पर कारोबार की शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 146 अंकों की गिरावट के साथ 73758 के स्तर पर खुला और 27.09 अंक टूटकर 73,876.82 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 50 में 67 अंकों की गिरावट के साथ 22385 के स्तर पर खुला और 18.65 अंक गिरकर 22,434.65 पर बंद हुआ। गुरुवार को प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी फिर रिकॉर्ड स्तर पर कारोबार करते दिखे। इस दौरान सेंसेक्स 500 अंक उछलकर 74,400 पर खुला और 350.81 अंकों की मजबूती के साथ 74,227.63 के लेवल पर बंद हुआ। निफ्टी भी पहली बार 22,600 के स्तर पर खुला और 80.00 अंक मजबूत होकर नई ऊंचाई 22500 पर बंद हुआ। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार में एक बार फिर सुस्ती दिख रही है। शुक्रवार को सेंसेक्स 154.29 अंकों की गिरावट के साथ 74,069.13 के स्तर पर खुला और 20.59 अंकों की बढ़त के साथ 74,248.22 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 45.16 अंक टूटकर 22,469.50 पर खुला और 0.96 अंक फिसलकर 22,513.70 के स्तर पर बंद हुआ।

भारत अगले साल यूरिया आयात करना बंद कर देगा: मांडविया

- वैकल्पिक उर्वरकों को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है सरकार

नई दिल्ली ।

रसायन व उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा है कि भारत 2025 के ओ खिरी तक यूरिया का आयात बंद कर देगा। मांडविया ने कहा कि भारतीय कृषि के लिए उर्वरकों की उपलब्धता बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि देश पिछले 60-65 साल से फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कर रहा है। अब सरकार नैनो लिक्विड यूरिया और नैनो लिक्विड डाइ-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) जैसे वैकल्पिक उर्वरकों को बढ़ावा देने के प्रयास कर रही है। वैकल्पिक उर्वरकों का उपयोग फसल और मिट्टी की गुणवत्ता के लिए अच्छा है। हम इसे बढ़ावा दे रहे हैं। यूरिया उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के बारे में मांडविया का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत सरकार ने यूरिया आयात पर निर्भरता खत्म करने के लिए दोतरफा रणनीति अपनाई है। मंत्री ने बताया कि सरकार ने चार बंद यूरिया संयंत्रों को फिर शुरू किया है और एक अन्य कारखाने को चालू करने का काम जारी है। उन्होंने कहा कि घरेलू मांग को पूरा करने के लिए भारत को सालाना करीब 350 लाख टन यूरिया की जरूरत होती है।

स्थापित घरेलू उत्पादन क्षमता 2014-15 में 225 लाख टन से

बढ़कर करीब 310 लाख टन हो गई है। वर्तमान में वार्षिक घरेलू उत्पादन और मांग के बीच का अंतर करीब 40 लाख टन है। उन्होंने कहा कि पांचवें संयंत्र के चालू होने के बाद यूरिया की वार्षिक घरेलू उत्पादन क्षमता करीब 325 लाख टन तक पहुंच जाएगी। 20-25 लाख टन पारंपरिक यूरिया के उपयोग को नैनो तरल यूरिया से बदलने का लक्ष्य भी है।

टेस्ला जल्द भारत में लगाएगी 2 से 3 अरब डॉलर का ईवी संयंत्र

नई दिल्ली।

भारत में तीन राज्य ऐसे है जो टेस्ला को पसंद आए है। गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में से किसी एक राज्य में 2 से 3 अरब डॉलर की लागत से टेस्ला ईवी संयंत्र लगा सकती है। इसकी आहट उसी वक्त आने लगी थी जब 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैलिफोर्निया के पालो ऑल्टो में टेस्ला सुविधा का दौरा किया था और एलन मस्क उन्हें अपने इलेक्ट्रिक कार प्लांट के दौरे पर ले गए थे और पीएम को आश्वस्त किया था कि इलेक्ट्रिक वाहन बनने जा रहे हैं। लगभग एक दशक बाद टेस्ला भारत में आने और निर्माण करने के लिए तैयार है। टेक अरबपति अंततः देश में 2-3 अरब डॉलर का ईवी संयंत्र स्थापित करने के लिए संभावित स्थान की तलाश के लिए विशेषज्ञों की एक टीम भेज रहा है। मस्क को टेस्ला गीगाफैक्ट्री स्थापित करने और बाकी दुनिया में ईवी निर्यात करने के लिए भारत को अपने अगले बड़े गंतव्य के रूप में देखने के लिए मनाने में पीएम मोदी के लगातार प्रयासों का श्रेय जाता है। पिछले साल जून में पीएम मोदी ने अमेरिका में मस्क से मुलाकात की थी और विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी को सुलभ और किफायती बनाने के उनके प्रयासों की सराहना की थी। प्रधानमंत्री ने मस्क को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र में निवेश के लिए भारत में अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित किया।

अगले हफ्ते मुश्किलों से बाहर निकल सकती है एयरलाइन विस्तारा: सीईओ

पिछले कुछ दिनों से कई फ्लाइट्स कैंसिल होने से परेशानी में चल रही है विस्तारा

नई दिल्ली ।

बीते कुछ समय से संकटों का सामना कर रही विस्तारा एयरलाइन की मुश्किलें जल्द ही खत्म होने वाली है। कंपनी के सीईओ विनोद कन्नन ने संभावना जताई है कि एयरलाइन में अचानक से जो संकट सामने आया है वो अगले हफ्ते तक खत्म हो सकता है। गौरतलब है कि कंपनी के सीईओ विनोद कन्नन से इस बारे में एक साक्षात्कार में कंपनी से जुड़ी इन परेशानियों की बातों पर चर्चा की। कन्नन ने कहा कि हो सकता है कि पिछले कुछ दिनों में एयरलाइन की कई फ्लाइट्स कैंसल होने के पीछे कारण यही रहा कि एयरलाइन ने ज्यादा एग्रेसिव रणनीति अपनाई और इसका पूरा असर ऑपरेशंस पर पड़ा। बता दें कि विस्तारा एरलाइन के ऑपरेशन्स में बीते कुछ दिनों से परेशानी चल रही है। बीते 1 और 2 अप्रैल को विस्तारा की दोनों दिनों में करीब हर दिन 50-50 फ्लाइट्स कैंसल हुईं। वहीं 3 अप्रैल को भी एयरलाइन्स ने 20 से भी ज्यादा फ्लाइट्स रद्द की थी। इस मामले में डीजीसीए से भी एयरलाइन को फटकार लगी थी और ये निर्देश दिए गए थे कि किसी भी फ्लाइट के रद्द होने के पहले एयरलाइन को सूचना देनी होगी। एयरलाइंस ने 10 अप्रैल तक के लिए कैंसलेशन दो-तीन दिन एडवांस में किया है। वहीं इस वीकेंड यानी शनिवार और रविवार को एयरलाइन पूरे अप्रैल के लिए फ्लाइट्स बंद कर सकती है।

ये कटौती मई में भी जारी रह सकती है। सीईओ ने ये भी कहा कि एयरलाइन पायलटों का पक्ष सुनने को तैयार है। कंपनी चाहती है कि कोई बीच का रास्ता निकले और ऑपरेशन्स में कोई कमी न आए। इसी के साथ कंपनी रोस्टर, हायरिंग जैसे मामलों को भी सुलझाने में लगी हुई है।

बायजू से आकाश एजुकेशन के शेयरों की बिक्री रोकने को कहा!

- 42 मिलियन डॉलर के ऋण की शर्तों का उल्लंघन का मामला

नई दिल्ली । आर्थिक संकट और कुप्रबंधन के आरोपों का सामना कर रही एडटेक कंपनी बायजू को अब एक और झटका लगा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक बायजू ने 42 मिलियन डॉलर के ऋण की शर्तों का उल्लंघन किया है और एक मध्यस्थ ने उसे समूह फर्म के कुछ शेयर नहीं बेचने के लिए कहा है। साल 2022 तक बायजू भारत का सबसे बड़ा स्टार्टअप था, तब इसका मूल्य 22 अरब डॉलर था, लेकिन ऑडिटर के बाहर निकलने, नियामक जांच और इसके निवेशकों द्वारा कुप्रबंधन के लिए इसके सीईओ बायजू रवींद्रन को बाहर करने की मांग के बीच लगातार कंपनी की मुश्किलें बढ़ती गई। वर्तमान में कंपनी का मूल्य लगभग 25 करोड़ डॉलर है। कंपनी शुरुआत से ही अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को खारिज करती रही है। ताजा विवाद में, भारतीय अरबपति डॉ. रंजन पई के नेतृत्व वाली एमईएमजी फैमिली ऑफिस ने मार्च में बायजू ग्रुप की कंपनी, आकाश एजुकेशन के कुछ शेयरों के पूर्व-सहमत हस्तांतरण के माध्यम से 42 मिलियन डॉलर के ऋण का भुगतान नहीं करने के लिए बायजू के खिलाफ मध्यस्थता कार्यवाही शुरू की थी।

सिंगापुर इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर के नियमों के तहत नियुक्त एक मध्यस्थ ने बायजू को आकाश के 4 मिलियन शेयरों का निपटान नहीं करने का आदेश दिया है। ऋण समझौते के अनुसार यह पिछले साल के आधार पर यह 6 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है।

धान का रकबा 11 फीसदी बढ़कर 29.44 लाख हेक्टेयर हुआ

- पिछली समान अवधि में यह आंकड़ा 6.33 लाख हेक्टेयर था

नई दिल्ली ।

इस मौसम में दलहन, तिलहन फसलों के साथ ही धान के रकबा में बढ़ोतरी देखी जा रही है। दाल की महंगाई के बीच दलहन फसलों के रकबा में बढ़ोतरी होना उपभोक्ताओं के लिए अच्छी खबर है। समर सीजन में धान का रकबा करीब 11 फीसदी बढ़कर 29.44 लाख हेक्टेयर दर्ज किया। इस मौसम की प्रमुख दलहन फसल मूंग है। 5 अप्रैल तक इस मौसम में 6.52 लाख हेक्टेयर में मूंग की बोआई हो चुकी है। पिछली समान अवधि में यह आंकड़ा 6.33 लाख हेक्टेयर था। इस मौसम में मूंग का रकबा 3 फीसदी बढ़ा है।

इस मौसम की दूसरी प्रमुख दलहन फसल उड़द के रकबा में 5.6 फीसदी इजाफा हुआ है। 5 अप्रैल तक 2.23 लाख हेक्टेयर में उड़द बोई जा चुकी है, जबकि पिछले साल इस तारीख तक 2.11 लाख हेक्टेयर में उड़द की बोआई हुई थी। इस मौसम में अब तक कुल दलहन की बोआई का आंकड़ा 8.97 लाख हेक्टेयर दर्ज किया गया, जो पिछली समान अवधि में 8.70 लाख हेक्टेयर में हुई कुल बोआई से 3.10 फीसदी ज्यादा है। तिलहन फसलों के रकबा में भी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इस सप्ताह तक 8.48 लाख हेक्टेयर में तिलहन फसलों की कुल बोआई हो चुकी है, जो पिछली समान अवधि में 8.26 लाख हेक्टेयर में बोई गई कुल तिलहन फसलों से ज्यादा अधिक है। मूंगफली समर सीजन की सबसे बड़ी तिलहन फसल है। इस सप्ताह तक 3.89 लाख हेक्टेयर में मूंगफली की बोआई हो चुकी है। पिछली समान अवधि में यह आंकड़ा 3.77 लाख हेक्टेयर था। चालू समर सीजन में तिल का रकबा पिछले साल के 4 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 4.10 लाख हेक्टेयर, सूरजमुखी का रकबा 3.57 फीसदी बढ़कर 0.29 लाख हेक्टेयर दर्ज किया गया।

अमेरिका में भारत से तेज बढ़ रही कंपनियों की आय

नई दिल्ली ।

अमेरिका में भारत में कंपनियों का मुनाफा तो तेजी से बढ़ रहा है मगर आय में बढ़ोतरी के मामले में तो देश की प्रमुख सूचीबद्ध कंपनियां अमेरिका की सूचीबद्ध कंपनियों से पीछे दिखाई देती हैं। दिसंबर 2023 में समाप्त 12 महीनों के दौरान एसएंडपी 500 कंपनियों की कुल आय एक साल पहले के मुकाबले 6.2 फीसदी बढ़ी मगर डॉलर में बीएसई 500 सूचकांक में शामिल कंपनियों की कुल आय महज 4.6 फीसदी बढ़ी। इसके विपरीत दिसंबर 2023 तिमाही में एसएंडपी 500 कंपनियों का कुल मुनाफा 14.1 फीसदी बढ़ा मगर इसी दौरान बीएसई 500 कंपनियों के कुल मुनाफे में एक साल पहले के मुकाबले 17.4 फीसदी की वृद्धि हुई।

ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार एसएंडपी 500 कंपनियों का मुनाफा दिसंबर 2023 में समाप्त 12 महीनों के दौरान बढ़कर 1,782.3 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले 1,561.5 अरब डॉलर ही था। इसी अवधि में बीएसई 500 सूचकांक में शामिल भारत की शीर्ष कंपनियों का मुनाफा एक साल पहले के 119.3 अरब डॉलर से बढ़कर 141.3 अरब डॉलर रहा। दूसरी ओर एसएंडपी 500 सूचकांक में शामिल कंपनियों की कुल आय दिसंबर 2023 में समाप्त 12 महीनों के दौरान 16,813.4 अरब डॉलर हो गई, जो एक साल पहले 15,835 अरब डॉलर ही थी। इसी दौरान बीएसई 500 सूचकांक में शामिल कंपनियों की कुल आय बढ़कर 1,525.6 अरब डॉलर हो गई, जो एक साल पहले 1,458.1 अरब डॉलर थी। यह विश्लेषण एसएंडपी 500 और बीएसई 500 सूचकांक में शामिल कंपनियों के तिमाही राजस्व और मुनाफे पर आधारित है। संबंधित तिमाही में रुपये और डॉलर की औसत विनिमय दर का इस्तेमाल कर भारतीय कंपनियों के आंकड़े डॉलर में बदले गए हैं। चार तिमाहियों के आंकड़े जोड़कर 12 महीने के आंकड़े निकाले गए हैं।

Sports

16 अप्रैल को बीसीसीआई और फ्रेंचाइजी मालिकों की बैठक में होगे बड़े फैसले

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी फ्रेंचाइजी मालिकों की एक बैठक बुलायी है। ये बैठक 16 अप्रैल को अहमदाबाद में होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस बैठक के लिए सभी 10 टीमों के मालिकों को आमंत्रित किया गया है। इस बैठक में टीम मालिकों के साथ उनके मुख्य कार्यकारी (सीईओ) और टीमें भी बैठक में आ सकती हैं पर यह बैठक मुख्य रुप से केवल मालिकों के लिए ही बुलायी गयी है। इसमें बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी, सचिव जय शाह और आईपीएल चेयरमैन अरुण सिंह धूमल भी शामिल होंगे। इस बैठक के लिए आईपीएल के सीईओ हेमांग अमीन ने सभी टीमों को आमंत्रित किया है। इस बैठक में रिटेंशन के साथ ही वेतन के मामले पर भी बात होगी। इस प्रकार की अटकलें हैं कि बीसीसीआई अगले साल होने वाली मेगा नीलामी से पहले नीतियों को लेकर अपना रुख स्पष्ट करना चाहती है। इसके अलावा इस बैठक में कई अन्य फैसले भी हो सकते हैं। इसमें ये भी देखा जाएगा कि आईपीएल को किस प्रकार आगे ले जाया जाये।

गुजरात को हराकर तीसरी जीत दर्ज करने उतरेगी लखनऊ सुपर जाइंट्स

लखनऊ ।

केएल राहुल की कप्तानी में लखनऊ सुपर जाइंट्स की टीम रविवार शाम होने वाले आईपीएल 2024 के मुकाबले में गुजरात टाइटंस को हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज करने उतरेगी। शुरुआती दो मैच में जीत से सुपर जाइंट्स के हौंसले बुलंद बने हुए हैं। वहीं उसके नये तेज गेंदबाज मयंक यादव ने अब तक के दोनो ही मुकाबलों में धातक गेंदबाजी करते हुए विरोधी टीमों को ध्वस्त कर दिया था। उसे अपने घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। ऐसे में गुजरात के बल्लेबाजों पर एक प्रकार का मानसिक दबाव रहेगा। मयंक ने अपनी गति से विरोधी बल्लेबाजों पर दबाव बनाया है। पिछले दोनों ही मैचों में उन्होंने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इसी कारण उन्हें सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड भी मिला। मयंक ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 3 विकेट लिए थे जबकि इसके बाद रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु के खिलाफ भी इतने ही विकेट लिए थे। वहीं बल्लेबाजी की बात करें तो लखनऊ के पास क्विंटन डिकॉक और केएल राहुल जैसे शानदार सलामी बल्लेबाज हैं। डिकॉक ने पिछले दो मैच में अच्छा प्रदर्शन किया है पर टीम को राहुल से अब भी बड़ी बड़ी पारी का इंतजार है। इसके अलावा निकोलस पूरन और ऑलराउंडर ऋुणाल पंड्या ने भी अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई है। देवदत्त पडिक्कल व ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं और ये दोनो ही अब बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। गेंदबाजी में टीम के पास मयंक के अलावा नवीन उल हक, यश ठाकुर, मोहसिन खान, स्टोइनिस और लेग स्पिनर रवि बिश्नोई जैसे गेंदबाज हैं। लखनऊ की टीम तीन मैच में दो जीत से चौथे नंबर पर है जबकि शुभमन गिल की कप्तानी में उतर रही गुजरात की टीम ने भी अब तक दो मैच जीते हैं जबकि दो मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। उसकी टीम अंक तालिका में अभी सातवें नंबर पर है। शुभमन अच्छे फार्म में हैं जिसका लाभ टीम को मिलेगा। पिछले मैच में उन्होने तेजी से नाबाद 89 रन बनाए थे और वह इस मैच में भी इसी प्रकार खेलना चाहेंगे। बी साइ सुदर्शन अच्छी लय में दिख रहे हैं पर रिद्धिमान साहा और विजय शंकर को और बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

गेंदबाजी में मोहित शर्मा ने अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है पर उन्हें अन्य गेंदबाजों उमेश यादव, राशिद खान आदि से सहायता नहीं मिल पायी है। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मैच रोमांचक रहने की संभावना है।

पीसीबी पर भड़के शाहीन, मैरे धैर्य की परीक्षा न लें

लाहौर।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम की कप्तानी से हटाये जाने से नाराज तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने अब जाकर अपनी चुप्पी तोड़ी है। शाहीन ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) उनके धैर्य की परीक्षा न ले। शाहीन ने सोशल मीडिया के जरिये अपनी नाराजगी जाहिर की है। अफरीदी के इस वीडियो के आने के बाद से ही पाक क्रिकेट में हड़कंप मचा हुआ है। इससे साफ है कि पीसीबी ने जिस प्रकार पर्याप्त अवसर दिये बिना ही शाहीन को कप्तानी से हटा दिया था। उससे वह गुस्से से भरे हुए हैं। शाहीन की कप्तानी में पाकिस्तान को एक टी20 सीरीज में करारी हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद पीसीबी ने उनकी जुगह एक बार फिर बाबर आजम को कप्तानी दे दी। शाहीन ने एक वीडियो में लिखा, 'कभी भी मुझे ऐसी स्थिति में न लायें जहां मुझे आपको यह बताना पड़े कि मैं कितना क्रूर और निर्दयी भी हो सकता हूं। इसलिए मैरे धैर्य को बने रहने दें। मैं सबसे दयालु और अच्छा इंसान हूं, और ऐसा ही बना रहना चाहता हूं। इसलिए ऐसा कुछ न करें जिससे मेरे में बदलाव आये। 'इससे साफ है कि वह कप्तानी से अचानक हटाये जाने से नाराज हैं। वहीं पीसीबी के नए प्रमुख मोहसिन नकवी ने पद संभालने के बाद बाबर आजम को पिछले माह फिर कप्तान बना दिया था। उन्हें 18 अप्रैल से न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज से पहले कप्तानी दी गयी थी। वहीं बाबर आजम ने पिछले साल एशिया कप और एकदिवसीय विश्व कप में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कप्तानी पद से इस्तीफा दे दिया था। बाबर ने 23 नवंबर को कप्तानी छोड़ी थी। इसके बाद पीसीबी ने टी20 टीम की कप्तानी शाहीन अफरीदी को सौंपी थी।

मुंबई स्क्वॉड से जुड़े सूर्या ने जमकर किया अभ्यास

मुम्बई ।

आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव फिटनेस हासिल करने के साथ ही मुम्बई इंडियंस से जुड़ गये हैं। सूर्यकुमार पर अब सबकी नजरें रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले में रहेंगी। सूर्या के जुड़ने से मुम्बई का मध्यक्रम बेहतर होगा। वहीं मुंबई इंडियंस ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें सूर्या अपनी टीम के साथी खिलाड़ियों के साथ जुड़ने के लिए होटल पहुंच गये हैं। सूर्या अभ्यास सत्र में भी शामिल हुए। इस दौरान इस आक्रामक बल्लेबाजी ने नेट सत्र में बिना किसी परेशानी के बड़े शॉट लगाए। इससे माना जा रहा है कि वह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में अंतिम ग्यारह में शामिल रहेंगे। मुंबई इंडियंस की इस सत्र में शुरुआत अच्छी नहीं रही है। टीम हार्दिक पंड्या की कप्तानी में अपने शुरुआती तीनों मैच हारी है। ऐसे में टीम को सूर्या की वापसी से काफी उम्मीदें हैं। सूर्या स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी के कारण ही लंबे समय से मैदान से बाहर हैं। इसके अलावा वह टखने की चोट का भी इलाज करा रहे थे। सूर्यकुमार वानखेड़े स्टेडियम में अभ्यास सत्र के लिए सबसे पहले पहुंचे वह दोपहर के सत्र में टीम के अन्य खिलाड़ियों से एक घंटे से अधिक समय पहले पहुंचे थे। उन्होंने नेट सत्र में एक घंटे से अधिक तक बल्लेबाजी अभ्यास की। कुछ दिन पहले ही राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) ने इस बल्लेबाज को मुंबई इंडियंस की टीम में शामिल किये जाने की अनुमति दे दी थी। इस बल्लेबाज ने थ्रोडाउन विशेषज्ञों और स्पिनर कुमार कार्तिकेय के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए जमकर स्ट्रोक लगाए। वह पहले की तरह ही बल्लेबाजी करते दिखे।

आईपीएल में मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला आज

मुंबई ।

मुंबई इंडियंस आईपीएल 2024 के एक अहम मुकाबले में रविवार को अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला करेगी। मुंबई का लक्ष्य इस मैच को जीतकर किसी भी प्रकार टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज करना रहेगा। हार्दिक पंड्या के कप्तानी संभालने के बाद टीम को अब तक हुए तीनो ही शुरुआती मुकाबलो में हार का सामना करना पड़ा है जिससे वह अंक तालिका में सबसे नीचे है। पांच बार की विजेता टीम को इस प्रकार एक जीत के लिए तरसता देखकर प्रशंसकों में भी खासी नाराजगी है। इससे पंड्या को भी लोगों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर ऋषभ पंत की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन भी अब तक अच्छा नहीं रहा है ओर उसे तीन में से केवल एक ही मैच में जीत मिली है। वह भी उसे अपने कप्तान की आक्रामक पारी से मिली। दिल्ली के लिए राहत की बात ये है कि ऋषभ अब अपना पुराना फार्म हासिल करते जा रहे हैं हालांकि टीम की जीत के लिए सभी को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। अब तक दोनो ही टीमों की बल्लेबाजी और गेंदबाजी खास नहीं रही है। इसलिए इस मुकाबले में किसका पलड़ा भारी रहेगा ये कहा नहीं जा सकता है।

वानखेड़े स्टेडियम की पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल रहती है। ऐसे में जीत के लिए बड़ा स्कोर बनाना होगा। मुंबई की पिच में शुरुआती ओवरों में तेज गेंदबाजों को सहायता रहती है। ऐसे में शुरुआत में बल्लेबाजों को सतर्क होकर खेलने की जरूरत है। मुंबई इंडियंस इस सत्र में एकमात्र टीम है, जो जीत हासिल नहीं कर पाई है पर इस मैच से सूर्यकुमार यादव की वापसी से उसे लाभ हो सकता है। इससे मुंबई की बल्लेबाजी मजबूत होगी। सूर्या के आने से मध्यक्रम मजबूत होगा। दोनो ही टीमों को जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। मुम्बई के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी अब तक अपने नाम के अनुसार गेंदबाजी नहीं कर पाये हैं। अब देखना है कि इस मैच में वह किस प्रकार की गेंदबाजी करते हैं। दिल्ली के गेंदबाज पिछले मैच में विफल रहे थ।

संक्षिप्त समाचार

पेरिस ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में जूरी सदस्य के रुप में शामिल की गयीं भारत की बिल्किस मीर

नई दिल्ली । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर की बिल्किस मीर को 26 जुलाई से 11 अगस्त 2024 तक होने वाले पेरिस ग्रीष्मकालीन ओलंपिक के लिए जूरी सदस्य बनाया गया है। वह इस प्रकार जूरी सदस्य के रूप में भाग लेने वाली भारत की पहली महिला होंगी। आईओए ने जम्मू और कश्मीर प्रशासन को लिखे पत्र में कहा, बिल्किस मीर, वॉटर स्पोर्ट्स प्रमोटर, डेवलपर, एथलीट, भारतीय कयाकिंग और कैनोइंग एसोसिएशन की जूरी सदस्य को पेरिस ओलंपिक खेलों में संचालन के लिए जूरी के सदस्य के रूप में शामिल किय गया है। अब वह पेरिस ओलंपिक में जूरी सदस्य के रूप में नियुक्त होने वाली भारत की पहली महिला बनी हैं। वहीं इससे उत्साहित मीर ने कहा कि यह उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है क्योंकि ओलंपिक न केवल एथलीटों के लिए बल्कि सभी के लिए अंतिम लक्ष्य होता है। वहीं मीर ने कहा कि उन्होंने साल 1998 में डल झील से एक कैनोइस्ट के रूप में अपनी यात्रा शुरू की और देश का प्रतिनिधित्व किया था सभी से उनका से सफर जारी है। उन्होंने कहा कि वह महिला कैनोइंग टीम की पूर्व कोच भी रही हैं। वह पिछले साल चीन के हांगझू में एशियाई खेलों में जूरी सदस्य भी थीं। साथ ही कहा, यह न केवल मेरे या जम्मू-कश्मीर के लिए ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। मैं पेरिस ओलंपिक में प्रतिष्ठित जूरी के सदस्य के रूप में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात मानती हूं। यह सिर्फ मेरे लिए नहीं, बल्कि उन सभी लड़कियों या महिलाओं के लिए खुशी का क्षण है जो खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने की इच्छा रखती हैं। इस बार एशिया से केवल दो जूरी सदस्यों को शामिल किय गया है। इसमें एक जापान से हैं।

कमिंस ने इस कारण जडेजा के खिलाफ अपील वापस ली : कैफ

हैदराबाद । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि सीएसके के खिलाफ मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने रविन्द्र जडेजा के खिलाफ अपने लाभ के लिए रन आउट की अपील नहीं की थी। इस मैच में एक समय रवींद्र जडेजा अपनी क्रीज से बाहर निकल गए थे तभी गेंदबाजी कर रहे भुवनेश्वर कुमार ने स्टंप्स पर गेंद मारने की कोशिश की पर जडेजा गेंद और विकेट के बीच में आ गए। यह विवादास्पद मामला लग रहा था पर इसके बाद भी कमिंस ने अपील नहीं की जिसके लिए उनकी प्रशंसा हो रही है। वहीं दूसरी ओर कैफ का कहना है कि कमिंस के अपील नहीं करन का कारण कुछ और था। इस मामले में जडेजा के खिलाफ सनराइजर्स ने अपील की। अंपायरों ने इसे समीक्षा के लिए तीसरे अंपायर के पास भेज दिया पर कमिंस आए और फील्ड अपील में बाधा को वापस ले लिया, एक ऐसा कार्य जिसके कारण उन्हें ऑनलाइन और कमेंटेटरों से भी प्रशंसा मिली। वहीं अब कैफ ने कहा है कि अपील वापस लेने के पीछे का कारण ये बताया कि जडेजा संघर्ष कर रहे थे ओर रनों के लिए परेशान थे।

एनजीटी ने जल संकट को देखते हुए आईपीएल मैच को लेकर केएससीए से जवाब मांगा

पानी के स्रोत और इसकी मात्रा की जानकारी मांगी

बेंगलुरु ।

बेंगलुरु में पानी की भारी कमी को देखते हुए पीने के पानी का अन्य कार्यों में इस्तेताल प्रतिबंधित है। वहीं आईपीएल मैच में पानी की काफी खपत हो रही है। इसी को देखते हए राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) और सरकार के अन्य संबंधित अधिकारियों को आईपीएल मुकाबलों के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले पानी की जानकारी देने को कही है। एनजीटी ने इसके बेंगलुरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) और कर्नाटक राज्य नियंत्रण बोर्ड (केएसपीसीबी) से भी पानी के स्रोत और इसकी मात्रा के बारे में दो मई तक जवाब मांगा है। यहां जल संकट को देखते हुए पीने के पानी के अन्य कामों में उपयोग पर प्रतिबंध लगा हुआ है।

केएससीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शुभेंदू घोष ने कहा, 'हमने नोटिस देख लिया है। मैचों के दौरान स्टेडियम में एनजीटी के नियमों का पालन होता है। इसलिए मैचों को लेकर कोई खतरा नहीं है। । गौरतलब है कि आईपीएल मुकाबलों के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम को 'पीने योग्य पानी की आपूर्ति किये जाने की जानकारी मिलने के बाद एनजीटी ने स्वयं इस मामले में जांच का फैसला किया। एक रिपोर्ट के अनुसार यहां

के स्टेडियम में तीन मैच पहले ही खेले गये हैं और पता लगा है कि इन मुकाबलों में प्रत्येक में 75,000 लीटर पीने के पानी का उपयोग हुआ था।

वहीं स्टेडियम में आभी चार और आईपीएल मैच 15 अप्रैल, चार मई, 12 मई और 18 मई को खेले जाने हैं। इसी को देखते हुए एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और डाक्टर ए सेंथिल वे (विशेषज्ञ सदस्य) ने मामला दर्ज कर लिया है। गौरतलब है कि कर्नाटक सरकार ने पौधों में पानी देने, वाहनों की सफाई तथा अन्य कई कामों के लिए पीने के पानी के इस्तेमाल पर सख्त रोक लगा दी है। दूसरी ओर केएससीए अधिकारियों का कहना है कि खेल के लिए किसी भी प्रकार से पीने के पानी का इस्तेमाल उन्होंने नहीं किया है।

टिकट के बाद भी प्रवेश नहीं मिलने से भड़के प्रशंसकों का हंगामा

हैदराबाद । आईपीएल में गत दिवस सीएसके और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच हुए मुकाबले में दर्शकों ने जमकर हंगामा मचाया और स्टेडियम में लगे बैरिकेड भी तोड़ दिये। ये हंगामा इसलिए हुआ क्योंकि कई लोगों का टिकट होने के बाद भी प्रवेश नहीं मिला। इस दौरान प्रशंसक अपने पसंदीदा खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी को देखना चाहते थे पर जब उन्हें प्रवेश नहीं मिला तो वे भड़क गये। पुलिस ने बड़ी मुश्किल से हालात पर काबू पाया। एक रिपोर्ट के अनुसार टिकट होने बाद भी प्रवेश नहीं मिलने से प्रशंसकों का धैर्य टूट गया। इस कारण प्रवेश द्वार पर स्थिति काबू से बाहर हो गयी। निराश प्रशंसकों ने गेट नंबर 4 के पास बैरिकेड तोड़ दिए। ऐसे में पुलिस को हल्क बलप्रयोग भी करना पड़ा। इसका एक वीडियो भी आया है।

हार से मानसिक स्वास्थ्य भी होता है प्रभावित : सानिया

मुश्किल समय में मुझे अपने परिवार और टीम का साथ मिला

नई दिल्ली । महिला टेनिस टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने कहा कि किसी भी टूर्नामेंट में हार और जीत का प्रभाव जीवन पर पड़ता है। सानिया के अनुसार टूर्नामेंट में हार से खिलाड़ियों का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है। साथ ही कहा कि जब वह खेलती थीं तब खिलाड़ियों के कल्याण और मानसिक स्वास्थ्य पर कोई बात नहीं होती थी जबकि आज ऐसा हो रहा है जो एक अच्छी बात है। सानिया ने कहा कि उस समय जब भी उन्हें किसी टूर्नामेंट में हार का सामना करना पड़ा तो उन्हें अपने परिवार और टीम से समर्थन मिला।उन्होंने अपने खेल के दिनों को याद करते हुए कहा कि यह मेरे लिए बहुत कठिन था क्योंकि उस दौर में मानसिक स्वास्थ्य के बारे में ज्यादा बातें नहीं होती थीं। हाल ही में इस पर बातें शुरु हुई हैं। प्रतिदिन के हिसाब से देखा जाये तो टूर्नामेंट में हार का सामना काफी मुश्किल होता था। सानिया ने पिछले साल फरवरी में ही खेल से संन्यास ले लिया था। सानिया से जब पूछा गया कि तब वह हार का सामना कैसे करती थीं तो उन्होंने कहा कि उस दौरान, मैं काफी भाग्यशाली रही थी क्योंकि मुझे अपने परिवार और टीम से पूरा समर्थन मिला था। ऐसे में मेरा प्रयास दिमाग को स्थिर बनाये रखने पर लगा था। उन्होंने ये भी कहा कि कठिन समय में मानसिक स्वास्थ्य से निपटना और भी चुनौती पूर्ण हो जाता है। ऐसे में कभी-कभी इससे खिलाड़ी उबर नहीं पाते हैं। इसलिए ऐसे समय में संभलना आसान नहीं होता।

जस्टिन लैंगर ने किया इशारा.....जल्द टूट सकता हैं शोएब अख्तर का रिकॉर्ड

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग में लखनऊ सुपर जाइंट्स के लिए खेल रहे मयंक यादव इन दिनों अपनी तेजतर्रार स्पीड के कारण चर्चा में हैं। सीजन की सबसे तेज गेंद (156.7 किलोमीटर प्रति घंटे) फेंकने का रिकॉर्ड भी उनके नाम हो गया है। उम्मीद है कि वह तेज पिचों पर 100 मील प्रति घंटे की रफ्तार का शोएब अख्तर का रिकॉर्ड तोड़ने में सफल हो सकते है। इसी बीच ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर जस्टिन लैंगर ने शोएब अख्तर या मयंक यादव में कौन तेज है, सवाल पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बीते दिनों लैंगर ने यादव की प्रशंसा कर पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को एक हल्का-फुल्का संदेश भी भेजा था। फ्रेंचाइजी द्वारा अपलोड किए गए वीडियो में, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर को अख्तर की पंच लाइन, फेंटा मार दिया कहते हुए देखा जा सकता है। स्पष्ट है कि लैंगर कहना चाह रहे हैं कि अख्तर का रिकॉर्ड आगामी दिनों में टूट सकता है।

वहीं, मयंक यादव ने सीजन में अपनी बेहतरीन गेंदबाजी के लिए इशांत शर्मा और नवदीप सैनी से मिली सलाह का जिक्र किया है। मयंक ने कहा कि मैंने दिल्ली में जितने भी गेंदबाजों से बात की, इशांत भाई और सैनी भाई, उन सभी ने मुझसे कहा कि अगर मैं कुछ नया करना चाहता हूं, तब भी मुझे अपनी गति के आसपास खेलना चाहिए। इस बीच ऑस्ट्रेलियाई ऑलराऊंडर ग्लेन मैक्सवेल ने भी मयंक की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मुझे लगा कि यह वास्तव में प्रभावशाली था, उन्होंने पंजाब के कुछ बल्लेबाजों

पर जल्दबाजी की और मैंने निश्चित रूप से उनके खिलाफ आने से पहले थोड़ा होमवर्क किया। उसके पास कुछ वास्तविक अतिरिक्त गति है जो आप इस समय विश्व क्रिकेट में बहुत अधिक नहीं देखते हैं। आप देखते हैं कि लोग 140 किमी प्रति घंटा के आसपास लगातार गेंदबाजी करते हैं। लेकिन अगर आप 150 किमी प्रति घंटा फेंकते हैं, तो यह अच्छा है।

कोच फ्लेमिंग ने युवा तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी का बचाव किया

हैदराबाद । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में हार पर निराशा जतायी है। फ्लेमिंग ने इस मैच में कमजोर गेंदबाजी करने वाले युवा तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी का बचाव करते हुए कहा कि आज उसका दिन नहीं था। उन्होंने कहा कि टीम नई प्रतिभाओं को अवसर देना जारी रखेगी। सीएसके को सनराइजर्स से एक रोमांचक मुकाबले में छह विकेट से हार झेलनी पड़ी थी। इस सत्र में पहली बार खेल रहे मुकेश को 'इंपैक्ट सब्सीट्यूट के रूप में उतारा गया पर उन्होंने एक ही ओवर में 27 रन दे दिये। यह आईपीएल के इस सत्र में दूसरा सबसे अधिक महंगा ओवर रहा। फ्लेमिंग ने कहा, 'आज हमें मुकेश चौधरी को उतारने का मौका मिला। कुछ समय पहले उसने अच्छा प्रदर्शन किया था पर आज वह सफल नहीं रहा। ऐसा आईपीएल में होता रहता है। उन्होंने कहा, 'यह खिलाड़ियों के प्रबंधन से जुड़ा है और जब आप अपनी मारक क्षमता में अपनरे को कमजोर पाते हैं तो फिर यह नए नायकों की तलाश होती है पर आज ऐसा नहीं हुआ हम जिन खिलाड़ियों को अवसर दे रहे हैं उन पर हमें भरोसा है क्योंकि वह अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कुदरत के अचंभे, जिनके पीछे है जादुई इंजीनियरिंग!

आप सोचते हैं कि सिर्फ कलाकारी और शिल्पकारी करना इंसान ही जानता है, लेकिन इंसान यह जानते हुए भी भूल जाता है कि वो खुद इस कुदरत इस कायनात द्वारा निर्मित किया हुआ एक शिल्प है और इससे अद्भुत और क्या हो सकता है, जब यह कुदरत हमारे जैसा चलने-फिरने, क्रिएशन करने वाला, ईर्ष्या-द्वेष रखने वाला नमूना बना सकती है। तो इस कुदरत के आगोश में कुछ बेहतरीन कलाकृतियां क्यों नहीं हो सकतीं। कुछ ही नहीं इनकी संख्या अरबों-खरबों में है। बस जरूरत है इन्हें ढूंढने की और इसके लिए निकलना होगा हमें कांक्रीट के जंगलों से और जाना होगा प्रकृति की गोद में। जी हां जब आप यहां जाने का प्रयास करेंगे, तो आपकी आंखें फटी की फटी रह जाएंगी और आप वाकई बोल उठेंगे कि यह कौन चित्रकार है।

चिली की मार्बल केव

चिली की संगमरमर की ये गुफाएं इस तरह निर्मित हैं कि कोई इंसान भी इनमें अपनी क्या इंजीनियरिंग लगाएगा, वो इस कुदरत के करिश्मे के आगे पानी-पानी हो जाएगा। केररेरा लेक में है यह खूबसूरत कुदरत की कारीगरी। यह लेक अर्जेंटीना और चिली की सीमा पर है। यहां तीन गुफाएं हैं ऐसी, जिनमें द चेपल, द केथेडरल और केव प्रमुख हैं। छोटी वोट से विजिटर यहां आते हैं। इस लेक का पानी ठंडा, शांत और कांच की तरह स्वच्छ है। लेकिन यहां भी इंसान अपनी धमक देने की योजना बना रहा है और इसको खतरा है यहां बनने वाले डेम से जिसकी योजना चल रही है।

लेक रेतवा या लेक रोज

केप वर्ट पेनिनसुला, सेनेगल में है ये लेक। इसका गुलाबी पनी यहां आने वालों के लिए रोमांच का कारण। इसका गुलाबी रंग डुनेलिएला सेलिना नामग एलगी के कारण होता है, जो पानी में लाल रंग का एक पिगमेंट पैदा करती है और ज्यादा ऊर्जा लेने के लिए सूर्य के प्रकाश का उपयोग करती है और पानी को गुलाबी बना देती है। लोगों को यह खून की नदी होने का भ्रम भी दे सकती है। ऊष्म मौसम में खासतौर पर यह रंग साफ दिखाई देता है। यह लेक अपने बहुत ज्यादा नमकीन पानी के लिए भी ख्याति रखती है। इस लेक में छोटी सी साल्ट इंडस्ट्री भी संचालित की गई है। इसे वर्ल्ड हेरिटेज संस्था द्वारा विश्व धरोहर की फेहरिस्त में भी स्थान दिए जाने पर विचार चल रहा है।

सालार डी इयूनि

यह दुनिया की सबसे बड़ी साल्ट फ्लेट कही जाती है और 10,582 स्क्वेयर किलोमीटर क्षेत्र में फैला है अद्भुत नजारा। यह जगह बोलिविया में है। कई प्राचीन नदियों के संगम और उनकी प्राकृतिक क्रियाओं से इसका निर्माण हुआ है। कई मीटर तक इसका नमक इस तरह से जमा है और इतना चिकना है कि आप उसमें अपनी सूरत भी आईने की तरह देख सकते हैं और गजब की फिसलन है उसपर। यहां जो नमक है उसमें लीथियम की प्रचुर मात्रा मौजूद है। यहां पिंक फ्लेमिंगो ब्रीडिंग के लिए भी आते हैं और ये अद्भुत नजारे यहां आने वाले सैलानियों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र होते हैं।

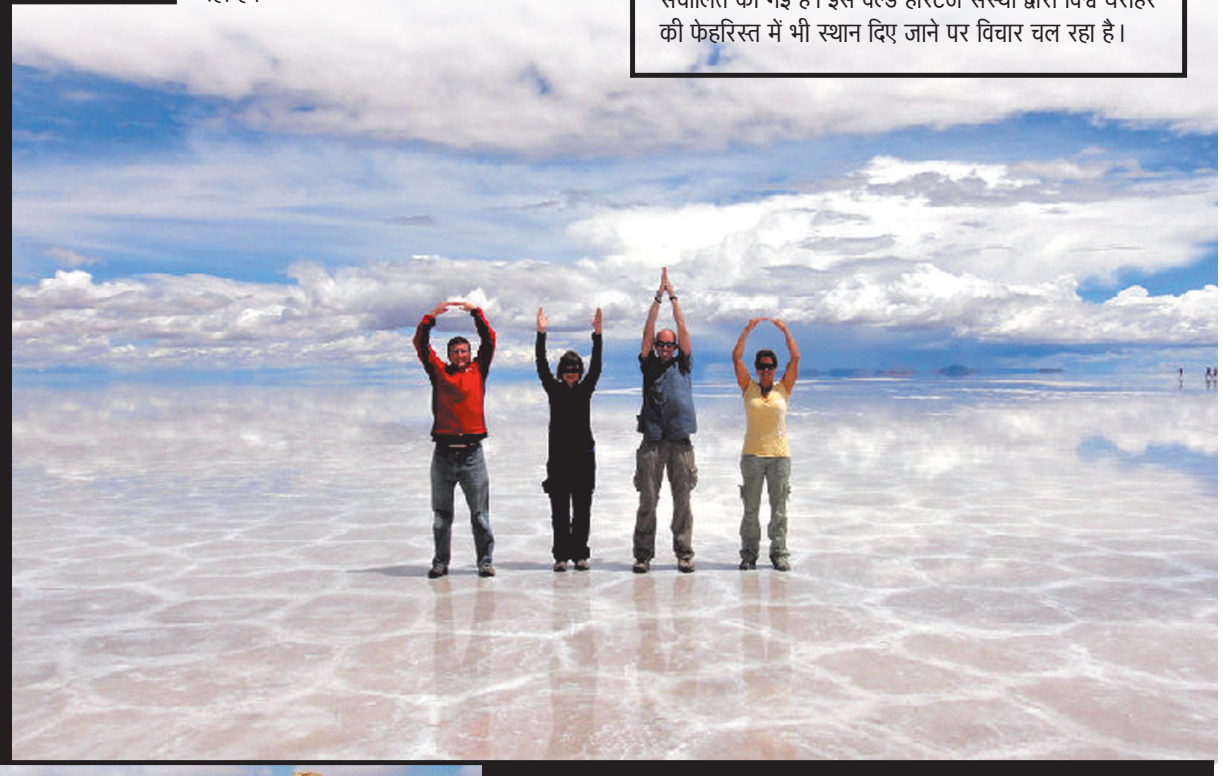

बुलबोउस रॉक्स इजिप्ट

इजिप्ट की बुलबोउस रॉक्स अपने अमेजिंग शेप्स और साइज के कारण दुनियाभर में चर्चित हैं। पश्चिमी इजिप्ट में यह जगह फाराफ्रा टॉउन से 28 मील की दूरी पर स्थित है। मशरूम का एक बड़ा गुच्छा भी यहां है और यहां आधागले बर्फ की आदमीनुमा संरचनाएं भी कौतुहल का केंद्र हैं। कहा जाता है कि जब प्राचीन सागर सूखा होगा, तो सूखी हुई परतें इस तरह टूटी होंगी और ताकतवर रेतीले तूफानों ने मजबूत चट्टानों को तोड़कर इस तरह की विचित्र आकृतियां बनाई होंगी।

सेलिंग स्टोन, डेथ वेली

किसी ने भी इस तरह किसी पत्थर को तैरते हुए नहीं देखा होगा। डेथ वेली के रेस ट्रेक पर आप इसे देख सकते हैं और इसके पीछे बना निशान इस बात का सबूत है कि यह पत्थर तैरा कभी अवश्य ही तैरा होगा। विशेषज्ञ खुद हैरत में है कि चट्टान जिसका वजन 100 पाउंड से भी कहीं ज्यादा है, वह इस तरह कैसे तैर सकती है। ऐसा कहा जाता है कि जब चट्टाने गीली और बर्फीली हेाती थीं तब तेज हवाएं उन्हें खींचती थीं और यह नजारा उसी का नतीजा है और 700 फीट लंबा यह निशान वाकई यहां आने वाले सैलानियों को हैरत में डाल सकता है।

ट्रेवरटाइन पूल्स पामुककेले, टर्की

जिस तरह से हमारे यहां भी कई नदियां और जलाश इसलिए प्रसिद्ध हैं कि उनमें स्नान करने से रोग का उपचार हो जाता है। ठीक इसी तरह यहां की मान्यता है कि इस जगह नहाने से कई रोगों खासकर चर्म रोगों से मुक्ति मिल जाती है। टर्की में है यह और इसके पानी में कार्बोनेट की प्रचुरता है। यहां 17 गर्म पानी के चश्मे हैं, जिनका पानी हमेशा गर्म और औषधीय गुणों से भरपूर माना जाता है।

एसबिरगी केनयान

एसबिरगी केनयान आइलैंड के उत्तर में स्थित है और हुसेविक के पूर्व में मात्र 50 मिनट की ड्राइविंग कर यहां पहुंचा जा सकता है। यहां की घोड़े की नाल या कह लें पैर नुमा एक कुदरती रचना वाकई यहां आने वाले सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र है, जो वेटनाजोकुल नेशनल पार्क का हिस्सा है और 3.5 कि.मी. क्षेत्र में फैला है। इसके बीच में 25 मीटर ऊंची एक चट्टान भी है जिसे आइजेन कहा जाता है। इसके ऊपर से सैलानी यहां का बेहतरीन नजरा लेते हैं।

यह कुदरती करिश्मा बना है केटास्ट्राफिक गलेशियल फ्लूडिंग से निर्मित हुई है और इसे 8-10,000 साल पूर्व का प्राकृतिक निर्माण माना जाता है। यहां के अद्भुत नजारे के लिए दुनियाभर से सैलानी आते रहते हैं। यहां के रहस्य और रोमांच से जुड़ी और भी कई सारी कहानियां हैं।

भारत का अनूठा मोम संग्रहालय

एक ऐसा गांव जहां किसान हल और बैल के साथ खड़े मिलेंगे। गांव की औरतें कुएं में पानी भरने जाती हुई दिखेंगी। बच्चे पेड़ के नीचे गुरु कुल शैली में पढ़ाई कर रहे हैं, किसान खेत में भोजन कर रहे हैं और आस-पास पशु चारा चर रहे हैं। गांव के घरों का घर-आंगन और विभिन्न कार्य करते लोग, लेकिन सब कुछ स्थिर.. ठहरा हुआ फिर भी एकदम सजीव और जीवंत।

यह किसी भारतीय गांव का नजारा हो सकता है, पर जिस नजारे की बात हम यहां कर रहे हैं, वह एक ऐसे अनूठे संग्रहालय का नजारा है, जो लंदन के मैडम तुसाद मोम संग्रहालय का भारतीय ग्रामीण संस्करण भी कहा जा सकता है। महाराष्ट्र में कोल्हापुर को न सिर्फ दक्षिण की 'काशी,' बल्कि महालक्ष्मी के आवास के रूप में भी जाना जाता है। कोल्हापुर से केवल दस किलोमीटर की दूरी पर एक छोटा-सा शांत गांव है- कनेरी, जहां पर बना है देश के प्राचीनतम मठों में गिना जाने वाला 'सिद्धगिरी मठ।' सिद्धगिरी मठ भारत का एक मात्र मोम संग्राहलय है, जिसकी नींव जुलाई 2007 में रखी गयी थी। इस संग्रहालय की स्थापना करने वाले 'सिद्धगिरि गुरु कुल ट्रस्ट' के प्रमुख अदृश्य कधिसद्धेश्वर स्वामी जी हैं। आठ एकड़ के खुले क्षेत्र में फैली यह जगह गांव की दुनिया की झलक दिखलाती है। आज पूरे देश में यह अपने आप में इकलौता और अनूठा म्यूजियम कहलाता है। इस संग्रहालय में बड़े-बड़े हीरो-हीरोइन की मूर्तियां नहीं बल्कि भारत के ग्रामीण इलाकों में रहने वालों की जिंदगी की छवियों को मूर्तियों में समेटने की कोशिश की गयी है। इस संग्रहालय की स्थापना लंदन के मैडम तुसाद मोम संग्रहालय से प्रेरित होकर जरूर ली गई है, लेकिन यह संग्रहालय महात्मा गांधी की विचारधारा से प्रभावित है। गांधीजी हर गांव को आत्मनिर्भर देखना चाहते थे। वे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में अहम स्थान दिलाना चाहते थे। यह संग्रहालय भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की महत्ता को दर्शाता है। इस संग्रहालय की इन तसवीरों के जरिये हम यहां आपको दिखा रहे हैं ग्रामीण जीवन के विभिन्न दृश्य। इसमें कहीं खेती-बाड़ी है तो कहीं हंसी-ठिठोली करती महिलाओं की झलक! संग्रहालय में कई प्राचीन संतों की मूर्तियां हैं। उदाहरण के लिए एक पेड़ के नीचे महर्षि पतंजलि को प्राचीन शैली में कक्षा लेते दिखाया गया है। कुछ ही मीटर की दूरी पर महर्षि कश्यप को एक रोगी का इलाज करते दिखाया गया है। यहां महर्षि कणाद को वैज्ञानिक शोध में लीन देखा जा सकता है, वहीं महर्षि वराहमिहिर ग्रह-नक्षत्रों की दुनिया से अपने शिष्यों को अवगत कराते नजर आते हैं। ईंट, पत्थरों से निर्मित इस संग्रहालय में प्रतिमाओं का निर्माण सीमेंट से किया गया है। इसके लिए करीब 80 कुशल मूर्तिकारों की सेवा ली गयी है। इसके प्रबंधक इसे खुला प्रदर्शन परिसर कहना पसंद करते हैं, जहां की मूर्तियां बारिश, गर्मी आदि को डोलने के बावजूद अपनी चमक बनाई हुई हैं।

अमेरिका में कैदी कर रहे हैं सूर्यग्रहण देखने की मांग

-बोले-ये हमारा धार्मिक इवेंट, इसे मिस नहीं कर सकते

न्यूयॉर्क । अमेरिका में जेल में बंद कैदी सूर्यग्रहण देखने की मांग कर रहे हैं। प्रशासन से गुहार लगाई है। मामला कोर्ट तक भी पहुंचा है। उनका कहना है कि यह धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण इवेंट है, और इसे देखने का हमें हक है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 8 अप्रैल को सूर्यग्रहण है, जिसे दुर्लभ बताया जा रहा है। यह अमेरिका में सबसे ज्यादा नजर आएगा। ऐसे में न्यूयॉर्क की जेल में बंद तमाम कैदियों ने जेल प्रशासन से सूर्य ग्रहण देखने के लिए सुविधाएं देने की मांग की है। कैदियों ने कहा कि यह धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण है और इसे देखने का उन्हें संवैधानिक अधिकार है। खास बात, पांच अलग-अलग धर्मों के कैदियों ने ये गुहार लगाई है। यहां तक कि उन्होंने न्यूयॉर्क सुधार और सामुदायिक पर्यवेक्षण विभाग के खिलाफ कोर्ट में मुकदमा भी दायर किया है। शिकायत में इन लोगों ने कहा है कि सूर्य ग्रहण एक दुर्लभ, प्राकृतिक घटना है। हमें भरोसा है कि हमारे धार्मिक विश्वास को बनाए रखने के लिए इसे देखने का मौका दिया जाएगा। जेरेमी जिलिंस्की नाम के एक नास्तिक ने तो 2 महीने पहले ही शिकायत दी और कहा कि इसे एक धार्मिक घटना के रूप में मान्यता दी जाए। मुकदमे में आज सुनवाई होनी है। अदालत तय करेगी कि क्या इन्हें सूर्य ग्रहण देखने के लिए चश्मे आदि मुहैया कराए जाएं या नहीं। इसी बीच सुधार गृह के आयुक्त ने 'लॉकडाउन मेमो' जारी कर दिया है। उन्होंने आदेश दिया है कि सभी कैदी दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक अपनी बैरक में रहेंगे। वे चाहें तो अपनी खिड़की से इस पल को देख सकते हैं। कैदियों ने जो तर्क दिए हैं, वे काफी दिलचस्प हैं। 2 ईसाई कैदियों ने लिखा है, सूर्य ग्रहण को देखना हमारे धर्म में महत्वपूर्ण है। यह बताएगा कि प्रभु यीशु ने पापों को माफ करने के लिए क्रूस पर मरने से पहले क्या देखा था। वे ईमानदारी पर विश्वास करते थे और उनके विश्वास पर भरोसा करना हमारे भरोसे की कुंजी है। जीन मार्क डेसमारत नाम की मुस्लिम महिला ने तर्क दिया कि सूर्य ग्रहण देखना और विशेष प्रार्थना करना उसके धर्म का पालन करने के लिए महत्वपूर्ण है। अमेरिका में आखिरी बार पूर्ण सूर्यग्रहण 2017 में हुआ था और 2044 तक यह फिर नहीं होने वाला है. इसलिए इसे देखने के लिए लोगों में खासा उत्साह है। बता दें कि कैदियों को आपने अधिकारों के लिए लड़ते हुए सुना होगा। ज्यादातर कैदी खाना-पानी और मिलने वाली सहूलियतों के लिए प्रशासन और सरकार से गुहार लगाते हैं।

पाकिस्तान में ईद के मौके पर हो सकते है बड़े आतंकी हमले

-खुफिया रिपोर्ट के बाद दहशत में शाहबाज सरकार

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में ईद उल फितर के मौके पर बड़े आतंकी हमले हो सकते हैं। पाकिस्तान की खुफिया और सुरक्षा एजेंसी ने इसबारे में अलर्ट जारी किया है। इसमें कहा गया है कि इन हमलों को अंजाम देने के लिए अफगानिस्तान से आत्मघाती हमलावर बुलाए गए हैं। इन हमलों से निपटने के लिए सेना और पुलिस को संयुक्त तलाशी अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनवा प्रांत के पुलिस महानिरीक्षक ने एक अलर्ट जारी किया है। जिसमें कहा गया है कि आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ईद उल फितर की पूर्व संध्या पर और उसके आसपास खैबर पख्तूनवा के सदर बाजार या पेशावर के आसपास आत्मघाती हमले की योजना बना रहा है। अलर्ट में साफ तौर पर कहा गया है कि इस आत्मघाती हमले की कमान टीटीपी के कमांडर जहांगीर खान वजीरिस्तान को सौंपी गई है। वह वर्तमान में अफगानिस्तान के कुनार स्थित संकरी क्षेत्र में मौजूद है और वह अफगानिस्तान से सुसाइड बॉम्बर ला रहा है। अलर्ट में कहा गया है कि एक आत्मघाती हमलावर का नाम कारी शाहिद बुनेरी है, जो अफगानिस्तान का रहने वाला है। अलर्ट के मुताबिक, शाहिद प्रशिक्षित आतंकवादी है, जो कि अफगानिस्तान में आत्मघाती हमले का प्रशिक्षण भी लिया है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी का कहना है कि सुसाइड बॉम्बर्स की संख्या अनेकों में हो सकती है। अलर्ट में पुलिस और खुफिया अधिकारियों समेत सैन्य अधिकारियों के लिए भी दिशानिर्देश दिए गए हैं, जिनमें जॉइंट तलाशी अभियान चलाना भी शमिल है।

रुस ने ज़ापोरीज़यिा परमाणु संयंत्र पर हमले के प्रयासों के ख़िलाफ़ दी चेतावनी

मॉस्को। रूस ने यूक्रेन और उसके पश्चिमी सहयोगियों को ज़ापोरिजिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र (एनपीपी) पर हमला करने या स्थिति को अस्थिर करने के प्रयासों के खिलाफ चेतावनी दी है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने कहा, हम आईएईए से मामले की जांच का आग्रह करते हैं। इसके लिए संयंत्र के विशेषज्ञों की मदद ली जा सकती है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने संयंत्र की प्रेस सेवा के एक बयान का हवाला देते हुए बताया कि हाल के दिनों में ज़ापोरिज़िया परमाणु केंद्र के आसपास कई यूक्रेनी सैन्य ड्रोन देखे गए। हालांकि संयंत्र को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

शिया सशस्त्र समूहों ने हाइफा में तेल रिफाइनरियों पर हमला किया

बगदाद । इराक में तथाकथित इस्लामिक प्रतिरोध का हिस्सा रहे शिया सशस्त्र समूहों ने कहा कि उन्होंने उत्तरी इजरायल के हाइफा में तेल रिफाइनरियों पर हमला किया। समूहों ने कहा, शनिवार तड़के, इराक में इस्लामिक प्रतिरोध के मुजाहिदीन ने हाइफा में हमारे कब्जे वाले क्षेत्रों में तेल रिफाइनरियों पर ड्रोन से हमला किया। इराकी सशस्त्र समूहों ने कहा कि वे कब्जे का विरोध करने और गाजा पट्टी में अपने लोगों का समर्थन करने साथ ही निहत्थे फिलिस्तीनी नागरिकों के नरसंहार के जवाब में अभियान के दौरान दुश्मन के गढ़ों को नष्ट करना जारी रखने वाले है।

जापान के होन्शू तट पर 5.5 तीव्रता का भूकंप

टोक्यो । जापान के होंशू द्वीप के पूर्वी तट पर शनिवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। महसूस किए गए भूकंप की 5.5 तीव्रता थी। भूकंप का केंद्र 38.3 किलोमीटर की गहराई में, 40.93 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 143.30 डिग्री पूर्वी देशांतर पर रहा।भूकंप में किसी के हताहत होने या जानमाल के नुकसान होने की कोई खबर नहीं है।

जूली बिशप म्यांमार में संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत नियुक्त

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री जूली बिशप को म्यांमार में अपने विशेष दूत के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की। सुश्री बिशप ने साल 2013 से 2018 के बीच ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री के रूप में कार्य किया है और वर्तमान में ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय विश्वविद्यालय की चांसलर हैं, वह सिंगापुर के नोएलीन हेजर की जगह लेंगी। सुश्री बिशप के पास अपनी नई भूमिका के लिए व्यापक राजनीतिक, कानूनी, प्रबंधन और वरिष्ठ नेतृत्व का अनुभव है। सुश्री बिशप ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार में कई उच्च-स्तरीय पदों पर कार्य किया है, जिसमें शिक्षा, महिलाओं के मुद्दों और प्रौढ़ विभाग शामिल हैं।

भूकंप के तीन दिन बाद : 12 की मौत, 6 सौ फंसे सफल नहीं हो रहा बचाव कार्य

ताइपे। ताइवान में 25 वर्षों में यह सबसे शक्तिशाली भूकंप था, जिसके तीन दिन बाद भी कई लोग लापता हैं तो कई शव मलबे में दबे हैं। बचावकर्मी पैदल मार्ग पर पत्थरों के नीचे दबे दो शवों को निकालने के लिए शनिवार को भारी उपकरण लाने की योजना बना रहे थे। भूकंप में जिंदा बचे लोगों ने सड़कों पर चट्टानों के गिरने और उन्हें सुरंगों में फंसने की दर्दनाक कहानियां बयां की हैं, जब तक कि बचावकर्मी उन्हें मुक्त करने के लिए नहीं पहुंचे हुलिएन शहर में एक सड़क पर खतरनाक एंगल पर झुकी हुई एक इमारत को सावधानीपूर्वक तोड़ा जा रहा था। अर्थ क ?वेक प्रोन आईलैंड पर इतने शक्तिशाली भूकंप में कम जनहानि? होना यहां के सख्त निर्माण मानकों और व्यापक सार्वजनिक शिक्षा अभियानों की वजह से संभव हुआ है। ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाके के लिए प्रसिद्ध तारोको नेशनल पार्क में शाकाडांग ट्रेल पर चार और लोग लापता हैं। भूकंप के झटकों के कारण शुक्रवार दोपहर को बंद कर दिए जाने के बाद खोजबीन का कार्य फिर से शुरू किया गया।

यूक्रेन में रुसी मिसाइल हमले के बाद जलती हुई एक कार नजर आ रही।

बाइडेन ने मिस्र और कतर के नेताओं को लिखा खत... हमास पर दबाव बनाने को कहा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मिस्र और कतर के नेताओं को पत्र लिखकर उनसे हमास पर इस बात का दबाव बनाने के लिए कहा कि वह इजराइल के बंधकों के संबंध में समझौता करे। बाइडन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। इसके एक दिन पहले बाइडन ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से कहा था कि वह गाजा में छह माह से जारी युद्ध को रोकने के लिए प्रयास दोगुने करें। माना जा रहा है कि अब भी 100 लोग हमास के कब्जे में हैं। बाइडन ने बंधकों के बारे में इस सप्ताह के अंत में बातचीत के लिए सीआईए निदेशक बिल बर्न्स को काहिरा में तैनात किया है और इसके बाद मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल सिसी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी को पत्र लिखे गए हैं। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने कहा कि बंधकों की रिहाई के लिए और मानवीय मदद पहुंचाने के लिए अस्थाई युद्ध विराम ही एकमात्र रास्ता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने साथ ही किसी समझौते के लिए इजरायली वार्ताकारों को पूरे अधिकार देने के महत्व पर भी चर्चा की।

5000 भारतीयों को बनाया गुलाम, अपने ही देश पर हमला के लिए किया मजबूर, गुस्से में जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के हजारों लोगों से भारत पर ही हमला करवाया जा रहा है। एक देश ने भारत के पांच हजार लोगों को साइबर गुलाम बना लिया है। यह देश भारत के लोगों का इस्तेमाल भारत में ही बैठे लोगों के को लूटने के लिए कर रहा है। भारत में बैठे कई लोग इस स्कैम का शिकार हो चुके हैं। दरअसल, दक्षिण पूर्ण एशिया में कंबोडिया नामक देश है। कंबोडिया में लगभग 5000 भारतीय लोग फंसे हुए हैं। में भारतीय लोगों को जबरन कंबोडिया में रखा जा रहा है और इन्हीं लोगों को भारत में साइबर फ्रॉड करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

कंबोडिया में भारतीयों को जबरन साइबर स्लेवरी या साइबर फ्रॉड के दलदल में धकेले जाने की खबरों के बीच विदेश मंत्रालय ने रोजगार के मकसद से कंबोडिया जाने को लेकर एक अडवाइजरी जारी की है। विदेश मंत्रालय के प्रेस नोट में बताया गया है कि बीते दिनों ध्यान में आया है कि आकर्षक जॉब के अवसरों के लालच में आकर भारतीय मानव तस्करों के जाल में फंस रहे हैं। इसके बाद इन भारतीय नागरिकों को आर्थिक स्कैम और दूसरी अवैध गतिविधियों में शामिल होने के लिए मजबूर किया जा रहा है। आगे यह अडवाइजरी कहती है कि जो भारतीय नागरिक जॉब के लिए कंबोडिया जाना चाहते हैं, वे

ऐसा सिर्फ अधिकृत एजेंट्स के जरिए ही जाएं। इसके साथ ही कंबोडिया में संभावित एंप्लॉयर की पूरी तरह जांच भी जरूरी है।

5,000 भारतीयों को उनकी इच्छा के खिलाफ ना सिर्फ वहां रहने को मजबूर किया जा रहा है बल्कि उन्हें जबरन साइबर धोखाधड़ी के काम में धकेला जा रहा है। बीते दिनों एक खबर में यह दावा किया गया था। बीते दिनों विदेश मंत्रालय ने बताया था कि बताया था कि उसने कंबोडियन अथॉरिटीज के साथ मिलकर ऐसे 250 भारतीयों को रेस्क्यू भी किया है, जिनसे जबरन साइबर फ्रॉड करवाया जा रहा है और इनमें से 75 लोगों को पिछले तीन महीनों में ही रेस्क्यू किया गया है।

ड्रग्स के नशे में रहते हैं बाइडेन, अमेरिकी राष्ट्रपति को लेकर ट्रंप का बड़ा दावा

वाशिंगटन (एजेंसी)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक आश्चर्यजनक दावा किया है कि राष्ट्रपति जो बाइडेन पिछले महीने अपना स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन देते समय ड्रग्स पर थे। उन्होंने उनसे बहस की मांग की और ऐसे आयोजनों में ड्रग परीक्षण की मांग की। रूढ़िवादी रेडियो शो होस्ट ह्यू हेविट के शो में एक उपस्थिति के दौरान, ट्रम्प ने कहा कि मुझे लगता है कि जो हुआ, आप जानते हैं, वह सफेद चीज़ थी जो उन्हें व्हाइट हाउस में मिली, जो कोकीन थी। मुझे नहीं लगता मुझे पता है, मुझे लगता है कि वहां कुछ चल रहा है। मैंने उनका स्टेट ऑफ द यूनियन देखा और शुरुआत में ही वह बहुत रोमांचित हो उठे। अंत में थोड़े शांत नजर आए। कुछ तो चल रहा है।

जब पूछा गया कि क्या ट्रंप इस बात पर जोर दे रहे हैं कि बाइडेन कोकीन का इस्तेमाल करते हैं, तो ट्रंप ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि बाइडेन क्या इस्तेमाल कर रहे थे और उन्होंने जोर देकर कहा कि वो पतंग की तरह उड़ते नजर आए। उन्होंने आगे कहा कि मैं इस मुद्दे को उठाना चाहता हूं। और मुझे लगता है कि कम से कम उनके साथ बहस का ड्रग टेस्ट होना चाहिए। मैं ड्रग टेस्ट चाहता हूं। लेकिन जाहिर है, उसकी किसी न किसी तरह से मदद की जा रही है, क्योंकि ज्यादातर समय, ऐसा लगता है कि वह सो रहे है।

रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ट्रंप 5 नवंबर को बाइडेन के साथ दोबारा राउंड अप के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने बाइडेन को लेकर आरोप तो लगाए लेकिन अपने आरोपों को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं दिया। 2016 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रचार के दौरान, ट्रम्प ने दावा किया कि उनकी डेमोक्रेट प्रतिद्वंद्वी हिलेरी क्लिंटन प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाएं ले रही थीं। जब इस तरह का दावा करने के कारण के बारे में पूछा गया तो ट्रंप ने कहा कि वह 'मजाक नहीं कर रहे थे'।

नासा बना रहा रोवर...चांद की सतह पर घूमना होगा आसान

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने तीन कंपनियों को एक रोवर निर्माण का कार्य दिया है, जिस पर सवार होकर अंतरिक्ष यात्री चांद की सतह का मुआयना कर सके। नासा ने बताया कि चंद्रमा पर आर्टेमिस अभियान के दौरान रिसर्च और मंगल पर मानव मिशन में काम आएगा। इस काम को पूरा करने के लिए कंपनियों को 2039 तक का समय दिया है।

नासा ने लूनर टरेन व्हीकल (एलटीवी) यानी रोवर को विकसित करने के लिए तीन कंपनियों इंट्यूटिव मशीन्स, लूनर आउटपोस्ट और वेंचुरी एस्ट्रोलैब का चयन किया है। नासा के वैनेसा विच ने बताया, 'चांद की सतह पर शोध के लिए आर्टेमिस अभियान के लूनर एक्सप्लोरिंग व्हीकल के निर्माण की उम्मीद करते हैं। इससे अंतरिक्ष यात्री चांद के उन हिस्सों में भी पहुंच सकते हैं, जहां जाना अब तक मुश्किल था।

निदेशक विच ने कहा, यह रोवर चंद्रमा की सतह पर रिसर्च करने के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों की मदद करेगा। नासा का मकसद आर्टेमिस वी के दौरान क्रू ऑपरेशन के लिए एलटीवी का इस्तेमाल शुरू करने का है। नासा मुख्यालय प्रमुख एक्सप्लोरेशन साइंसटिस्ट जैकब ब्लीचर ने कहा, हम एलटीवी का इस्तेमाल उन हिस्सों की यात्रा के लिए कर सकते हैं, जहां हम नहीं पहुंच पाएंगे। आर्टेमिस के जरिए, नासा चंद्रमा को एक्सप्लोर करने के लिए अंतरिक्ष यात्रियों को भेजगा।

हाल ही में चीन ने अपना एक वाहन चांद पर भेजा है। उसका रोवर पहले से ही चांद पर सक्रिय है। नासा ने बताया कि एलटीवी चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव की विषम परिस्थितियों में भी काम करने में सक्षम होगा।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ का बड़ा एलान, चुनाव में कथित धांधली के खिलाफ देश भर में प्रदर्शन

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने घोषणा की है कि वह 8 फरवरी को हुए पाकिस्तान आम चुनावों में कथित धांधली के खिलाफ देशव्यापी विरोध आंदोलन करेगी और देश भर में रैलियों की एक श्रृंखला आयोजित करेगी। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, आम चुनाव 2024 में कथित धांधली के खिलाफ देशव्यापी विरोध आंदोलन की घोषणा करते हुए, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने ईद उल फितर के बाद बलूचिस्तान से शुरू होने वाली देश भर में रैलियों की एक श्रृंखला आयोजित करने की घोषणा की है।

अदियाला जेल में पीटीआई के संस्थापक इमरान खान से मुलाकात के बाद रावलपिंडी में मीडिया को संबोधित करते हुए पार्टी नेता असद कैसर ने कहा कि विरोध आंदोलन के तहत पहली रैली पिशिन जिले में होगी और रैली की व्यवस्था की समीक्षा के लिए एक बैठक होगी। पीटीआई नेता और पूर्व सूचना मंत्री शिबली फ़राज़ ने कहा कि जनता ने पीटीआई को पूर्ण जनादेश दिया था जिसे चुरा लिया गया। हालाँकि, उन्होंने कहा, उन्हें अदालत में अपनी लड़ाई जारी रखनी होगी। हमें फॉर्म 45 और फॉर्म 47 रखने वाले लोगों के बीच अंतर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में निवेश का प्रवाह

रुक गया है और प्रतिभा पलायन हो रहा है।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, 20 मार्च को पीटीआई के संस्थापक इमरान खान ने देश में 8 फरवरी को हुए आम चुनावों के तरीके और प्रक्रिया की जांच, ऑडिट के लिए एक न्यायिक आयोग के गठन का अनुरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। कई मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद अदियाला जेल में बंद इमरान खान ने चुनाव परिणामों में हेरफेर और धोखाधड़ी के बाद उनकी पार्टी और अन्य द्वारा लगाए गए धांधली के आरोपों के आलोक में याचिका दायर की है। पीटीआई संस्थापक की ओर से वरिष्ठ वकील हामिद खान द्वारा दायर याचिका में शीर्ष अदालत से एक न्यायिक आयोग बनाने का आग्रह किया गया है, जिसमें किसी के प्रति कोई पूर्वाग्रह न रखने वाले सेवारत एससी न्यायाधीश शामिल हों, जो सामान्य तरीके और प्रक्रिया की जांच, ऑडिट करें।

अमेरिका में एक और भारतीय छात्र की मौत, पिछले तीन महीने में 10 का मिला शव

ओहायो । अमेरिका में भारतीय छात्रों की मौत के मामले थम नहीं रहे हैं। यहां अब ओहायो राज्य में एक भारतीय छात्र की मौत हो गई है। वर्ष 2024 की शुरुआत से लेकर अब तक पिछले 3 महीनों में भारतीय या भारतीय मूल के 10वें छात्र की मौत थी। पुलिस फिलहाल इस मामले की जांच कर रही है। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ओहायो के क्लीवलैंड में एक भारतीय छात्र उमा सत्य साईं गड्डे के निधन से गहरा दु:ख हुआ, पोस्ट में बताया गया है कि पुलिस जांच जारी है और शव को भारत भेजने के प्रयास किये जा रहे हैं। दूतावास ने कहा कि वह भारत में परिवार के साथ संपर्क में है।

ईरान की अमेरिका को साइड हटने की सलाह... अब इजरायल से सीधे मैदान में कूदेगा

-अमेरिका के साथ इजराइल में भी टेंशन

वाशिंगटन (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच पिछले कई महीनों से जारी जंग में ईरान सीधे-सीधे कूद सकता है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि ईरान सीरिया में अपने वाणिज्य दूतावास पर संदिग्ध इजरायली हमले का जवाब देने की तैयारी कर रहा है, इतना ही नहीं ईरान ने अमेरिका से 'साइड हटने के लिए कहा है। वहीं मीडिल ईस्ट में ईरान के मुख्य प्रतिनिधि हिजबुल्लाह ने भी इजरायल को चेतावनी दी है कि वह युद्ध के लिए तैयार है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने अमेरिका को एक लिखित संदेश भेजा है, जिसमें अमेरिका को नेतन्याहू के जाल में न फंसने की चेतावनी दी है। उधर ईरानी राष्ट्रपति के राजनीतिक मामलों के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद जमशीदी ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का जिक्र करते हुए लिखा, अमेरिका को 'अलग हट जाना चाहिए ताकि आप पर आंच न आए। जमशीदी के मुताबिक, 'इस पत्र के जवाब में अमेरिका ने ईरान से अमेरिकी ठिकानों पर हमला नहीं करने को कहा है। ईरान द्वारा कथित रूप से भेजे गए संदेश पर अमेरिका की तरफ से कोई टिप्पणी नहीं आई है। हालांकि मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिका हाई अलर्ट पर है और क्षेत्र में इजरायली या अमेरिकी ठिकानों के खिलाफ ईरान से 'महत्वपूर्ण' प्रतिक्रिया की तैयारी कर रहा है।

वहीं मीडिया रिपोर्ट में दो अनाम अमेरिकी अधिकारियों का हवाला देकर कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन चिंतित है कि इजरायल के अंदर कोई भी हमला हो सकता है। वहीं रिपोर्ट के अनुसार,बाइडन प्रशासन ने ईरान को सीधे सूचित करने का असामान्य कदम उठाया कि अमेरिका इस बात से अनभिज्ञ था कि दमिश्क में सोमवार को हमला होगा। इससे पता चलता है कि अमेरिका मध्य पूर्व में अपनी सेना और ठिकानों पर हमले को रोकने की कोशिश कर रहा था।

उधर इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने कहा है कि वह अपने कट्टर दुश्मन इजरायल को एक 'थप्पड़' मारेगा। फिर भी, यह स्पष्ट नहीं है कि ऐसा कब होगा और क्या ईरान सीधे इजरायल पर हमले की कोशिश करेगा या लेबनान में स्थित हिजबुल्लाह जैसे अपने किसी प्रॉक्सी समूह के द्वारा इस अंजाम देगा। बता दें कि दमिश्क में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर हवाई हमले में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के अनुभवी कमांडर मोहम्मद रजा ज़ाहेदी और उनके डिप्टी सहित सात ईरानी मारे गए थे। इजरायल ने वैसे पिछले कुछ महीनों के दौरान सीरिया में ईरान से जुड़ी संपत्तियों को कई बार निशाना बनाया है, हालांकि यह पहला मौका था जब किसी ईरानी राजनयिक भवन पर हमला हुआ।

इस हमले के बाद ईरान ने इजरायल से इसका बदला लेने की कसम खाई है। वहीं इजरायल भी तब से अलर्ट पर है और उसने लड़ाकू सैनिकों की घरेलू छुट्टियां रद्द कर दी है। इसके साथ ही रिजर्व सैनिकों को ड्यूटी पर बुला लिया है और हवाई सुरक्षा बढ़ा दी है। इसके सेना ने देश पर दागे जा सकने वाले जीपीएस नेविगेटेड ड्रोन या मिसाइलों को बाधित करने के लिए गुरुवार को तेल अवीव के ऊपर नैविगेशन सिग्नल को भी खंगाला।

वहीं इजराइल ने लोगों से अपील की गई कि वे रॉकेट हमलों को लेकर अलर्ट जारी करने वाली एप पर अपनी लोकेशन मैन्युअली सेट करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि जीपीएस इंटरफेयरेंस के बीच आम लोगों की लोकेशन ठीक सटीक रहे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एक ही परिवार के पांच लोग नदी में डूबे, दो के शव मिले, तीन अभी भी लापता ; रेस्क्यू जारी

बाराबंकी । यूपी के बाराबंकी जिले के टिकैतनगर थाना क्षेत्र के चिर्रा गांव के पास शनिवार दोपहर सरयू नदी में एक युवक और चार बच्चों समेत पांच लोग डूब गए। डूबने वालों में दो सगे भाई हैं। युवक इन बच्चों को बचाने में डूबा। कड़ी मशक्कत के बाद नदी से दो शव बरामद हुए हैं। गोताखोर तीन अन्य लोगों की तलाश नदी में कर रहे हैं। नदी के किनारे कई गांव की भीड़ इकट्ठा है और परिजनों में कोहराम मचा है। प्राप्त विवरण के मुताबिक, टिकैतनगर थाना क्षेत्र के चिर्रा गांव निवासी मोहम्मद शकील के दो पुत्र अहमद रजा (15) और हमजा (12) के साथ परिवार के ही महमूद आलम का पुत्र शाफ अहमद और शाफ का मौसेरा भाई अयोध्या जिले के रुदौली थाना क्षेत्र के एथर गांव निवासी अयान (10) शनिवार की दोपहर गांव से करीब 300 मीटर दूर सरयू नदी किनारे पहुंचे थे। यहीं पर नदी से कुछ दूरी पर स्थित खेतों के पास महमूद आलम का छोटा भाई नूर आलम (26) थ्रेसर से गेहूं की मड़ाई कर रहा था। इस दौरान चारों बच्चे नदी में नहाने लगे। नहाते-नहाते सभी बच्चे नदी के बीच टापूनुमा रेती पर पहुंचे और दूसरी ओर बह रही धारा में नहाने के लिए उतरे। बताते हैं कि वहां पानी काफी गहरा था और नदी में घुसते ही सभी डूबने लगे। अयान की चीख सुनकर गेहूं की मड़ाई कर रहा नूर आलम दौड़ता हुआ नदी किनारे पहुंचा और उसने बच्चों को डूबते देखा तो पानी में छलांग लगा दी लेकिन वह किसी को बचाने की बजाय स्वयं धारा में समा गया। शोरगुल सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण नदी किनारे पहुंचे और आनन फानन गांव तक सूचना गई। कुछ ही देर में नदी के किनारे पूरा गांव उमड़ पड़ा। सूचना पाकर मौके पर पुलिस पहुंच गई और स्थानीय गोताखोरों को लगाया गया। करीब एक घंटे बाद महमूद आलम के पुत्र शाफ अहमद और उसके मौसेरे भाई अयान का शव नदी से बरामद कर लिया गया। अयान अपनी मां के साथ दो दिन पहले मौसी के यहां आया था। दोनों को सीएचसी टिकैतनगर भेजा गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार पांचों डूबने वाले एक ही परिवार के हैं। नदी में लापता तीन अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। एसडीआरएफ को सूचना दे दी गई है। डीएम सत्येंद्र कुमार व एसपी दिनेश कुमार सिंह भी मौके पर पहुंचे हैं।

बिहार के सीतामढ़ी में बनेगा मां जानकी का देश का सबसे ऊंचा मंदिर

-चुनाव के बाद शिलान्यास पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों होगा

सीतामढ़ी । बिहार के सीतामढ़ी जिले में देश के सबसे ऊंचे मंदिर का निर्माण होगा। यह मंदिर मां जानकी यानी माता सीता का होगा। 251 फीट के मंदिर निर्माण की गतिविधि तेज कर दी गई है। रामायण रिसर्च काउंसिल के द्वारा दिव्य मंदिर का निर्माण कराया जाना है। निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी चितप्रकाशानंद महाराज ने मंदिर के निर्माण कार्य से जुड़ी बातों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा, यह जानकी की धरती है, जिससे यह ऊर्जा, शक्ति और वैभव से भरी हुई है। उन्होंने बताया कि वे वृंदावंद, अयोध्या और हरिद्वार के साधु-संतों से जानकी मंदिर की चर्चा की, तब इस भूमि के प्रति संतों में गजब का उत्साह और लगाव दिखा। फिर वे पूरे देश के तीर्थ क्षेत्र को जोड़ने की मुहिम में जुट गए कहा कि मिथिला भगवती का पूरा क्षेत्र है, जिसे तीर्थ क्षेत्र के नाम से विकसित किया जाएगा। स्वामी जी ने कहा कि देश में 39 शक्ति पीठ है। शेष शक्ति पीठ श्रीलंका, इंडोनेशिया और बाली सहित अन्य देशों में है। रामायण रिसर्च काउंसिल के ट्रस्टी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि मां जानकी की मंदिर का निचला भाग वृत्ताकार होगा। उसके चारों ओर से मां के 108 विग्रह (स्वरूपों) को प्रदर्शित किया जायेगा। मंदिर के लिए 55 एकड़ भूमि की जरूरत है, इसमें 35 एकड़ उपलब्ध हो चुका है। शेष कुछ माह के अंदर उपलब्ध होगा। महामंडलेश्वर ने कहा कि चुनाव बाद मंदिर के निर्माण का कार्य शुरू होगा। इसका शिलान्यास पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों होना है। हालांकि उन्होंने पीएम मोदी का नाम नहीं किया, लेकिन इस बात का संकेत दिया। गौरतलब है कि मंदिर निर्माण में बखरी मठ के महंत के द्वारा खास योगदान दिया जा रहा है। महंत द्वारा माता सीता की 251 फीट ऊंची प्रतिमा के निर्माण के लिए 14 एकड़ जमीन दान में दी गई है। मां सीता की बनने वाली यह प्रतिमा विश्व में सबसे ऊंची होगी। अयोध्या में नव निर्मित श्रीराम मंदिर के आर्किटेक्ट आशीष सोमपुरा भी मंदिर स्थल का भ्रमण कर चुके है। बताया गया है कि मंदिर निर्माण में विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष आलोक कुमार द्वारा हर संभव सहयोग की बात कही गई है।

कनाडा को भारत का जबाव.....हम नहीं आप कर रहे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप

नई दिल्ली। भारत ने कनाडा के आम चुनावों में अपने हस्तक्षेप के आरोपों को निराधारबताकर खारिज कर दिया है और ओटावा पर पलटवार कर कहा है कि इसके बजाय, वह नई दिल्ली के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है। भारत की कड़ी प्रतिक्रिया एक कनाडाई मीडिया रिपोर्ट के बाद आई जिसमें दावा किया गया कि भारत और पाकिस्तान ने कनाडा में 2019 और 2021 के संघीय चुनावों में हस्तक्षेप करने का प्रयास किया, देश की जासूसी एजेंसी, कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा (सीएसआईएस) ने आरोप लग दिया। यह पिछले साल खालिस्तानी आतंकवादी निज्जर की हत्या पर दोनों देशों के बीच चल रहे राजनयिक विवाद के बीच भी आया। रिपोर्टों के अनुसार, विदेशी हस्तक्षेप की जांच के लिए कनाडा का संघीय आयोग 2019 और 2021 में भारत द्वारा चुनाव में हस्तक्षेप के दावों की जांच कर रहा है। कनाडाई मीडिया की रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया देकर विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि हमारे द्वारा कनाडाई आयोग की जांच के बारे में मीडिया रिपोर्ट देखी हैं। हम कनाडाई चुनावों में भारतीय हस्तक्षेप के इसतरह के सभी आधारहीन आरोपों को दृढ़ता से खारिज करते हैं। उन्होंने कहा कि दूसरे देशों की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप करना भारत सरकार की नीति नहीं है। वास्तव में इसके विपरीत, यह कनाडा है जो हमारे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है।

सिसोदिया को नहीं राहत....न्यायिक हिरासत 18 अप्रैल तक बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आप नेता मनीष सिसोदिया को शनिवार को भी कोई राहत नहीं मिल सकी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 18 अप्रैल तक बढ़ा दी है। राउज एवेन्यू कोर्ट की स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने पहले दी गई न्यायिक हिरासत की अवधि खत्म होने पर अदालत में पेश किए जाने के बाद शनिवार को फिर से सिसोदिया की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद जेल से बाहर आए आप सांसद संजय सिंह जो कथित घोटाले में सह अभियुक्त हैं, वे भी कार्यवाही के लिए अदालत में पेश हुए। सीबीआई के साथ ईडी ने भी आरोप लगाया है कि दिल्ली शराब नीति में संशोधन करते समय अनियमितताएं बरती गईं। लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ दिया गया। लाइसेंस फीस माफ कर दी गई या कम की गई और सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बिना लाइसेंस बढ़ा दिए गए। जांच एजेंसियों ने आरोप लगाया है कि लाभार्थियों ने कथित तौर पर अवैध लाभ को आरोपी अधिकारियों तक पहुंचाया और जांच से बचने के लिए अपनी अकाउंट बुक में गलत एंट्रियां कीं। बता दें कि, सीबीआई ने पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया को शराब घोटाले में उनकी कथित भूमिका के लिए 26 फरवरी, 2023 को गिरफ्तार किया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 9 मार्च, 2023 को सीबीआई की एफआईआर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सिसोदिया को गिरफ्तार किया था। 28 फरवरी 2023 को सिसोदिया ने दिल्ली कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से ही वह न्यायिक हिरासत में हैं।

तटरक्षक बल ने समुद्र में नौका में आग लगने से झुलसे नौ मछुआरों को बचाया

नयी दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने समुद्र मेंमछली पकड़ने वाली एक नौका पर आग लगने की घटना और उसके परिणामस्वरूप हुए विस्फोट के बाद गंभीर रूप से झुलसे नौ मछुआरों को समय रहते सहायता प्रदान की। आईसीजी ने एक बयान में कहा कि पांच अप्रैल को मछुआरों की नौका आग लगने के बाद समुद्र में डूब गई थी। बयान में कहा गया है कि सभी नौ मछुआरे बचने के लिए पानी में कूद गए लेकिन इस दौरान कुछ गंभीर रूप से झुलस गए। विस्फोट के कारण क्षतिग्रस्त हुई भारतीय नौका ‘दुर्गा भवानी’ कुछ ही मिनट में डूब गई। बयान के अनुसार पास में मौजूद एक नाव ने आग और विस्फोट के बारे में तटरक्षक जहाज को जानकारी दी, जो जीवित बचे लोगों को लेने के लिए आगे बढ़ा। बयान में कहा गया है कि आंध्र तट पर गश्त पर निकले भारतीय तटरक्षक जहाज वीरा ने तेजी से कार्रवाई करते हुए नौ मछुआरों को बचा लिया।

चुनाव लड़ना सबका हक है, लेकिन जीत तो सिर्फ एक की ही होगी: मेनका

-वरुण आगे जो भी करेगा, वह देश के लिए अच्छा होगा

सुल्तानपुर (एजेंसी)। भाजपा ने सुल्तानपुर से मेनका गांधी को अपना उम्मीदवार बनाकर मैदान में उतारा है लेकिन भाजपा के सांसद और मेनका गांधी के बेटे अरुण गांधी को इस बार भाजपा ने टिकट नहीं दिया उनकी जगह पीलीभीत से जितिन प्रसाद को बीजेपी ने अपना उम्मीदवार बनाया है।

मेनका गांधी सुल्तानपुर में अपने चुनाव प्रचार में जुट गई ?हैं। मेनका गांधी ने एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि पूरे देश में पीएम मोदी और बीजेपी की लहर है और सुल्तानपुर में भी वही लहर चल रही है और उस लहर में मैं भी शामिल हूं।

पीलीभीत से बेटे वरुण गांधी का टिकट कटने पर मेनका गांधी ने कहा- वरुण ने पीलीभीत का बहुत ख्याल रखा। मुझे उस पर गर्व है। जब वरुण को पीलीभीत छोड़ना पड़ा तो लोग काफी रोए। उन्होंने उम्मीद जताई कि वरुण आगे जो भी करेगा, वह देश के लिए अच्छा होगा। सुल्तानपुर में बूथों पर मुस्लिम महिला एजेंट तैनात करने की बीजेपी की योजना पर मेनका गांधी ने कहा कि जो भी बूथ संभालने वाला हो, वह काम करे। हमें जात और कौम से कोई मतलब नहीं है. जो भी बूथ एजेंट बने, वह अच्छे से बूथ संभाले।

सपा द्वारा कई सीटों पर अपने उम्मीदवार बदलने पर मेनका ने कहा वह नहीं जानती कि समाजवादी पार्टी क्या करने वाली है। जो भी आ जाए, खुशी-खुशी चुनाव लड़े। चुनाव लड़ना सबका हक है, लेकिन जीत तो सिर्फ एक की ही होगी। इससे पहले गुरुवार को सुल्तानपुर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए मेनका गांधी ने कहा था, मैं सांसद नहीं बल्कि सेवक के रूप में जनता का काम करती हूं. वादों में नहीं, विकास में विश्वास करती हूं। यूपी में गरीबों को सबसे ज्यादा 1.30 लाख मकान सुल्तानपुर में मिले हैं। चुनाव बाद 1 लाख और गरीबों को मकान मिलेगा। मेरे रहते सबको न्याय मिलेगा। पांच वर्षों में हर नामुमकिन कामों को पूरा किया है।

औवेसी की विरोधियों को ललकार...मैं कोई मुर्गी का बच्चा नहीं हूं

हैदराबाद। आल इंडिया मजलिस ए इत्तेहाद उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी ने दावा किया कि उन्हें जान से मारने की धमकी दी जा रही है। दरअसल वीडियो क्लिप में ओवैसी कहते हैं, मैं मुख्तार अंसारी के घर गया। इसके बाद लोग मुझे जान से मारने की धमकी देने लगे। मैं अखलाक के घर गया था। मैं जुनैद और नशीर के घर भी गया था जिन्हें जिंदा जला दिया गया। उन्होंने कहा कि जो लोग मुझे धमकियां दे रहे हैं, मैं उनसे कुछ कहना चाहता हूं। मैं जिस दीन पर चलता हूं वहां मुझे चमन में चलकर नहीं मिला। ये दीन मुझे बादशाह के महलों से नहीं मिला। ये दीन मुझे कर्बला से मिला। तुम मुझे नहीं जानते हो, तुम मेरे दीन को नहीं जानते हो।

ओवैसी ने सख्त लहजे मे कहा, तू मारना चाहे तब मार ले। मेरा वक्त नहीं है, तब नहीं मरूंगा। वक्त है, तब बराबर मरूंगा। मैं शैतानी ताकतों से कहना चाहता कि मैं कोई मुर्गी का बच्चा नहीं हूं। बाद के हालात तुम जानो फिर। उन्होंने कहा कि मैं इतनी आसानी से जाने वाला नहीं हूं। मैं पीठ नहीं दिखाऊंगा। एआईएमआईएम चीफ ने कहा, तुम क्या तुम्हारे बाप भी आ जाएंगे तब मैं वहीं ठहरूंगा।

दरअसल, तेलंगाना में भाजपा विधायक राजा सिंह ने कहा था कि हैदराबाद के सांसद को उन लोगों के परिवार के सदस्यों से भी मिलना चाहिए, जिनकी अंसारी की ओर से कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी। सिंह ने कहा कि अंसारी की मौत पर शोक जताने वाले ओवैसी और अन्य नेताओं को उन लोगों के परिवार के सदस्यों का भी दर्द समझना चाहिए, जिनकी गैंगस्टर से राजनेता बने अंसारी ने कथित तौर पर हत्या कर दी थी। उन्होंने पूछा कि क्या नेताओं की ओर से इन जैसे लोगों के समर्थन में खड़ा होना सही है। भाजपा विधायक ने कहा, ओवैसी का मुख्तार के घर जाकर उसकी मौत पर शोक जताना क्या सही है? लोगों को इसके बारे में सोचना चाहिए।' बीते दिनों ओवैसी ने पूर्व बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी के गाजीपुर स्थित घर जाकर परिजन से मुलाकात की थी। ओवैसी ने पोस्ट में कहा, आज मरहूम मुख्तार अंसारी के घर गाजीपुर जाकर उनके खानदान को पुरसा दिया, इस मुश्किल वक्त में हम उनके खानदान, समर्थक और चाहने वालों के साथ खड़े हैं।

पांच साल में कोई काम नहीं हुआ, बालुरघाट में ममता का तीखा कटाक्ष, सुकांत ने दिया जवाब

रांची(एजेंसी)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बालुरघाट में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार के खिलाफ निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने पांच साल में काम नहीं किया है ऐसी शिकायत है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पर तीखा हमला करते हुए तृणमूल नेता ने कहा कि %जिस सांसद ने पांच साल में भाषण देने के अलावा कोई काम नहीं किया, उसे अब भेज दीजिए। इस दिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दक्षिण दिनाजपुर के तपन में तृणमूल उम्मीदवार बिप्लब मैत्रा के समर्थन में सभा की. बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार भी इस बार उस केंद्र से उम्मीदवार हैं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पर केंद्र सरकार से बंगाल का पैसा रोकने का अनुरोध करने का भी आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं सुकांत बाबू और गद्दार को चुनौती देती हूं, आपने बंगाल का पैसा रोका है। आपको उत्तर बंगाल से प्यार नहीं है, आपको दक्षिण बंगाल से भी प्यार नहीं है। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि सुकांत ने आत्रेयी नदी पर बांध से पैदा हुई समस्या के समाधान के लिए कोई पहल नहीं की है। हालांकि, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को जवाब देने में देर नहीं की सुकांत मजूमदार ने प्रतिवाद करते हुए कहा कि वह दक्षिण दिनाजपुर जिले को नहीं जानते हैं उनके स्टाफ से मत पूछिए कि बालुरघाट से दिल्ली ट्रेन, सियालदह-बालुरघाट नई ट्रेन, बालुरघाट स्टेशन को अमृत भारत योजना के तहत लाना, बुनियादपुर में दूसरा प्लेटफॉर्म किसने बनाया?

इस दिन मुख्यमंत्री ने दक्षिण दिनाजपुर में मेडिकल कॉलेज बनाने का मुद्दा भी उठाया दूसरी ओर, अगर मुख्यमंत्री सचमुच बालुरघाट में मेडिकल कॉलेज बनवाते हैं, तो वह केंद्र सरकार से 200 से 300 करोड़ रुपये लाने की व्यवस्था करेंगे। वहीं, मुख्यमंत्री की शिकायत पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया कि अत्रेई नदी मुद्दे पर वह लोकसभा में भी उपस्थित हुए थे।

कांग्रेस का घोषणा पत्र कोरी वाणी सेवा और झूठ का पुलिंदा - धनखड़

चंडीगढ़। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। कांग्रेस के घोषणा पत्र पर भाजपा की ओर से प्रतिक्रिया भी आ रही है। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने कांग्रेस का घोषणा पत्र कोरी वाणी सेवा है। झूठ का पुलिंदा है। बिना बजटीय प्रावधान के खोखले वादे कर जनादेश लूटने में कांग्रेस माहिर है। धनखड़ ने कांग्रेस के घोषणा पत्र पर मीडिया को अपनी प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में बजटीय व्यवहारयिता नहीं हैं। बिना बजटीय प्रावधान के कैसे घोषणाएं पूरी होंगी। कांग्रेस का मंत्र है जनादेश लूटो और आगे बढ़ो। धनखड़ ने कहा कांग्रेस ने कर्नाटक में किसानों की कर्ज माफी का वायदा पूरा नहीं किया, हिमाचल प्रदेश में ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू करने वादा किया था, पूरा नहीं किया, राजस्थान में पिछली बार किसानों के कर्ज माफी का वादा कर जनादेश की लूट की। जनता ने इस बार राजस्थान विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को नकार दिया। अब जनता समझदार हो चुकी है। इसलिए कांग्रेस पार्टी पर विश्वास नहीं रहा। यहीं कांग्रेस के पतन के कारण हैं। धनखड़ ने कहा कि देश में बाबा साहेब द्वारा दिए संविधान के अनुरूप न्यायिक व्यवस्था कायम है।

बिहार में नहीं बनी बात.....अब दिल्ली में भाजपा के दिग्गज नेता को चुनौती देंगे कन्हैया कुमार

जयपुर (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। जेएनयू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष और कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार को उस वक्त बड़ा झटका लगा था जब बिहार में महागठबंधन का नेतृत्व करने वाली लालू यादव की पार्टी आरजेडी ने बेगूसराय की सीट सीपीआई के खाते में दे दी। इसके साथ ही 2019 में गिरिराज सिंह के खिलाफ चुनावी मैदान में खड़े कन्हैया कुमार को निराशा हाथ लगी। लेकिन सियासी गलियारों से यह खबर आ रही हैं कि कांग्रेस पार्टी अपने इस स्टार कैंपेनर को दिल्ली की एक सीट से चुनावी अखाड़े में उतार सकती है।

कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस पार्टी कन्हैया कुमार को दिल्ली की उत्तर पूर्वी सीट से मैदान में उतर सकती है। उनके नाम पर अंतिम मुहर आगे होने वाली कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक में लग सकती है। अगर कांग्रेस उन्हें अपना प्रत्याशी बनाती है, तब उनका मुकाबला दिल्ली बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष मनोज तिवारी से होगा। मनोज तिवारी 2014 और 2019 के चुनाव में इस सीट से जीत चुके हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में कन्हैया लेफ्ट के टिकट पर बेगूसराय सीट से चुनावी मैदान में थे। हालांकि, उन्हें इस चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा था। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शानदार जीत दर्ज की थी। कन्हैया कुमार इसके बाद सितंबर 2021 में लेफ्ट छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की न्याय यात्रा के दौरान वह अक्सर उनके साथ दिखते थे।

बता दें कि इस लोकसभा चुनाव में दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का गठबंधन हुआ। कांग्रेस के खाते में तीन सीटें गई हैं। कांग्रेस ने अभी तक तीनों में से किसी भी सीट के उम्मीदवार के नाम का ऐलान नहीं किया है।

चुनाव के दौरान घुसपैठ की कोशिश पाकिस्तान की हताश : भारतीय सेना

श्रीनगर (एजेंसी)। भारतीय सेना ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के बारामूला में पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ की नाकाम कोशिश चुनाव से पहले कश्मीर घाटी में अशांति फैलाने की पाकिस्तान की हताशा को दिखाती है। उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास दो अज्ञात आतंकवादी मारे गए जब वे कश्मीर में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे। सेना ने कहा कि घुसपैठ रोधी अभियान के दौरान एलओसी के आसपास पाकिस्तान की अग्रिम चौकियों से रुक-रुक कर गोलीबारी हुई। सेना ने कहा कि भारतीय सेना ने संयुक्त अभियान में शुक्रवार को घुसपैठ की कोशिश को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया था। उन्होंने कहा कि उरी सेक्टर में एलओसी के पार घुसपैठ की योजना बनाने और उसका अंजाम देने वाले आतंकवादी समूहों के बारे में कई खुफिया एजेंसियों से पहले ही कई जानकारियां प्राप्त हुई थीं। इन सूचनाओं और निगरानी के आधार पर घुसपैठ रोधी ग्रिड की समीक्षा कर मजबूत किया गया। शुक्रवार तड़के उनकी निगरानी से पता चला कि आतंकवादियों का एक समूह नियंत्रण रेखा की ओर बढ़ रहा था। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान दो आतंकवादी मारे गए और दो एके राइफल, तीन मैगजीन, चार हथगोले, गोला-बारुद तथा अन्य सामग्रियां बरामद की गई। बारामूला लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदान पांचवें चरण में 20 मई को होना है और यह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के समीप होने के कारण बहुत संवेदनशील है।

समझदार को इशारा काफी है ! शरद पवार से नाराज किस दिग्गज नेता का देवेंद्र फडणवीस ने किया जिक्र

नागपुर (एजेंसी)। उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने खुलासा किया है कि एनसीपी शरद पवार पार्टी के नेता जयंत पाटिल नाराज हैं। जयंत पाटिल अब अप्रासंगिक हो गये हैं। देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि जयंत पाटिल इतने परेशान हैं कि उनकी पार्टी में उन्हें कोई नहीं पूछ रहा है, इसलिए वह अब इस तरह की बातें कर रहे हैं। एक सांकेतिक बयान देवेन्द्र फडणवीस ने दिया है। इतना बड़ा चुनाव हो रहा है, कहां दिख रहे हैं जयंत पाटिल? शरद पवार, सुप्रिया सुले और रोहित पवार नजर आ रहे हैं। कहां हैं जयंत पाटिल? समझदार को इशारा काफी है।

देवेन्द्र फडणवीस के इस बयान पर जयंत पाटिल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह भ्रम है कि मेरे टीवी पर नहीं दिखने से जयंत पाटिल नाराज हैं। ऐसे बहुत से लोग हैं जो मेरी परवाह करते हैं, धन्यवाद। कई लोग सोचते हैं कि मैं टीवी पर न दिखने से परेशान हूं। जयंत पाटिल ने फडणवीस के बयान पर कहा कि लेकिन हमने जो बात की वो टीवी पर नहीं दिखाया गया। यह देखकर अच्छा लगा कि टीवी पर हमें बताने वाला कोई नहीं है, विपक्ष मेरे बारे में चिंतित है। उधर, एनसीपी नेता रोहित पवार ने भी देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि फडणवीस जयंत पाटिल के बारे में दिया गया बयान अवसाद से ग्रसित है।

रोहित पवार ने पोस्ट करते हुए कहा कि यह अवसाद इस डर से आया होगा कि विनोद तावड़े, जिनका पता अपने रास्ते में आने वाली बाधाओं से बचने के लिए विशिष्ट तरकीबें अपनाकर काटा गया था, अब उनका पत्ता काट देंगे।

लालू के तीखे तेवर: मूली थोड़े हूं जो उखाड़ फेंकोगे...बूढ़ा हूं पर चट्टान बन गया हूं...

पटना (एजेंसी)। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव को बुढ़ापे और बीमारियों ने जकड़ रखा है। रही सही कसर ईडी और सीबीआई की जांच ने पूरी कर दी है। कभी अस्पताल तो कभी जेल ने उनका पीछा नहीं छोड़ा। इसके बाद भी लालू के तेवर कम नहीं हुए हैं। उनका अपना मानना है कि बूढ़ा हूं पर चट्टान बन गया हूं। इसलिए ये मानकर चलिए कि मैं मूली नहीं हूं जो कोई भी उखाड़कर फेक दे। लालू यादव ने ये बात उस समय कही जब ग्वालियर में एमपी एमएलए कोर्ट ने आर्म्स एक्ट के एक मामले में अरेस्ट वारंट जारी किया है। वर्ष 1995 और 1997 में फर्जी फॉर्म नंबर 16 (जो आर्म्स डीलर के लिए जारी होते हैं) को तैयार कर हथियारों की सप्लाई के मामले में पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव पर फर्जीवाड़ा का आरोप लगा था।

यह मामला वर्ष 1995 और वर्ष 1997 का है। फार्म 16 के फर्जी दस्तावेजों का उपयोग करके आर्म्स डीलर के यहां से हथियार खरीदे गए थे। इन हथियारों की सप्लाई विभिन्न स्थानों पर की जा रही थी। इसमें 23 लोगों के खिलाफ अभियोग पत्र कोर्ट के सामने पेश किए गए थे। इसमें आरोपी पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को फरार घोषित किया गया था। विचारण के दौरान कोर्ट ने ये पाया कि ये लालू प्रसाद यादव वहीं हैं जो बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री हैं,बताया जाता है कि यह फर्जीवाड़ा 23 अगस्त 1995 से लेकर 15 मई 1997 के बीच किया गया था। इसमें कुल तीन फर्म से हथियार और कारतूस की खरीद की गई थी। इस मामले में लालू प्रसाद यादव सहित 23 आरोपियों के नाम शामिल हैं। इसमें से 6 के खिलाफ ट्रायल चल रहा है, दो की मौत हो चुकी है, जबकि 14 फरार हैं। पुलिस ने इस मामले में जुलाई 1998 में आरोप पत्र दाखिल किया था। अप्रैल 1998 में पुलिस ने लालू प्रसाद यादव पुत्र कुंद्रिका सिंह का फरारी पंचनामा तैयार किया जबकि बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव के पिता का नाम कुंदन राय है।

इसी मामले में लालू यादव के विरुद्ध स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया है जिससे उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। इस मामले में अब उनकी तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है और कहा है कि वह मूली नहीं हैं जो कोई उनको उखाड़ फेंकेगा। लालू प्रसाद यादव की यह प्रतिक्रिया माइक्रो ब्लॉगिंग साइट एक्स पर सामने आई है। उन्होंने अपने पुराने इंटरव्यू का एक वीडियो शेयर करते हुए अपने पोस्ट में लिखा, मूली थोड़े हैं कि उखाड़ के फेंक दोगे। लालू प्रासाद यादव नाम है। इस बुढ़ापे में भी तुम्हारा काल बनकर चट्टान की भांति खड़ा हूं, अपने उसूलों पर अड़ा हूं।

बता दें कि ग्वालियर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने सालों पुराने के एक मामले में लालू यादव के खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। ये वारंट आर्म्स एक्ट में जारी किया गया है। इस केस में पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू यादव को फरार घोषित किया गया था। उस वक्त पुलिस की जांच में सामने आया था कि उन्होंने फर्जी दस्तावेज लगाकर आर्म्स डीलर से हथियार खरीदे। इसके साथ ही पुलिस को यह भी पता चला कि खरीदे गए हथियारों को कई जगहों पर सप्लाई किया जा रहा है।

लालू यादव के खिलाफ यह मामला एमपी-एमएलए कोर्ट में तब ट्रांसफर किया गया, जब कोर्ट को यह यकीन हो गया कि दस्तावेज में दर्ज लालू यादव बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं। ऐसी स्थिति में ये मामला विशेष न्यायालय एमपी-एमएलए कोर्ट, ग्वालियर को स्थानांतरित किया गया। ग्वालियर एमपी-एमएलए कोर्ट के एडीपीओ अभिषेक मेहरोत्रा ने बताया कि विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट एमपी-एमएलए ग्वालियर महेंद्र सिंह की अदालत से आरोपी लालू प्रसाद यादव स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भागल में अवैध वेश्यालय का भंडाफोड़, छह दलाल और चार ग्राहक गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की सब्जी मंडी में एक घर में गुलजार डमी कुटनखाना को ग्राहक के पास निरीक्षण के लिए भेजकर पकड़ा गया। जिसमें मैनेजर, छह दलाल और चार ग्राहकों को गिरफ्तार किया गया. महिला अपराध निरोधक शाखा ने तीनों महिलाओं को मुक्तकराया और १२ हजार रुपये नकद, ८५ हजार रुपये कीमत के १७ मोबाइल फोन, २५ अतिरिक्त कंडोम और दो पैकेट कंडोम समेत कुल ९७ हजार रुपये जब्त किये.

जो लोग देह का सुख भोगने आए थे, वे पकड़े गए प्राप्त जानकारी के आधार पर कुतनखाना भागल चार रोड के पास सब्जी मंडी के भरतनिवास में हलचल है. इसलिए डमी ग्राहक भेजकर कल दोपहर भरत आवास की तीसरी मंजिल पर छापा मारा। वहां से मैनेजर जिगर गांधी के अलावा दो दलाल विक्की उर्फ अमित और शेखर सालुंक, जिन्होंने उन्हें ललनाओ से संपर्क करने के लिए भेजा था, ग्राहकों से संपर्क करते थे और उन्हें वहां अपने शरीर का आनंद लेने के लिए बुलाते थे, दलाल खिरोदकुमार उर्फ राकेश, संजय कुमार पटेल, रबुलमंडल अलीमंडल, नूर मंडल को गिरफ्तार कर लिया गया.

व्हाट्सएप में ग्राहकों को फोटो भेजना चार दलाल खिरोदकुमार उर्फ राकेश, संजयकुमार पटेल, रबुलमंडल अलीमंडल, नूर मंडल वेश्यालय में आने वाले ग्राहकों को व्हाट्सएप पर लालाना की तस्वीरें भेजते थे। महिला अपराध निवारण शाखा को उनके मोबाइल फोन से अलग-अलग लालाना की तस्वीरें भी मिलीं।

कौन पकड़ा गया?

(१) मैनेजर जिगर रमेशचंद्र गांधी (नंबर ३०, निवास ३री मंजिल, भारत निवास, ब्लॉक नंबर ५, मकान नंबर ५/३६३-ए-ए, सब्जी मार्केट, बारानपुरी सेक्टर, सूरत)
(२) ब्रोकर विक्की उर्फ अमित शॉ बिश्वनाथ शॉ (निवासी ३४,भाजीवाला एस्टेट, अश्विनीकुमार रीड, सूरत)
(३) दलाल शेखर चूड़ामन सालुंके (निवासी फ्लैट नंबर १०७/ए, शांतिसदन, पुष्पक सोसायटी के पास, टेकरावाला स्कूल के सामने, पालनपुर पाटिया, सूरत)
(४) दलाल खिरोदकुमार उर्फ राकेश मायाधर नायक (ए.डब्ल्यू. ४३, निवास घर नं.४, गायत्री सोसाइटी, पालनपुर पाटिया, सूरत। मूल निवासी ओडिशा)
(५) दलाल संजय कुमार दीपकभाई पटेल (ए.डब्ल्यू. २९, निवास.घर नंबर ४, गायत्री सोसायटी, पालनपुर पाटिया, सूरत। मूल निवास चासा, जिला चिखली, जिला नवसारी)
(६) दलाल रबुलमंडल अलीमंडल (मंजिल २६, निवास कांस्कीवाड मस्जिद, भाल चार रास्ता, सूरत। मूल निवासी कोलकाता)
(७) दलाल नूर मंडल जिसाद अली मोंडल (निवासी ३९, निवासी फुलवाड़ी जुप्पड़पट्टी, भालीमाता रोड, सूरत। मूल निवासी कोलकाता)
(८) ग्राहक मानव रमेशभाई बलार (निवासी २२, निवासी अभिनंदन रेजीडेंसी, उत्राण, सूरत। मूल निवासी चपारी, जिला पालीताना, जिला भावनगर)
(९) ग्राहक जगदीश मंजीभाई पडरिया (नंबर ३२, निवास घर नंबर ६२/६३, प्राणथ सोसायटी, वेडरोड, सूरत।
(१०) ग्राहक रवि तुलसीभाई बलार (यू.डब्ल्यू. २९, निवास नं. सी/३०४, सेंटोसा हाइट्स, उत्राण, सूरत। जन्म तिथि छापरी, जिला .
(११) ग्राहक हीरालाल हरिश्चंद्र मिश्रा (नं. २७) , निवास ढ्-५०२, आनंदो होम्स, अलथान, सूरत। मूल निवासी, बिजावर, जिला।

वर्दी में होश खो बैठा पीआई वराछा, कोर्ट में मजिस्ट्रेट से कुछ ऐसा कह दिया जो फैल गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में वराछा पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर ए.एन.गबानी वर्दी पहनते समय बेहोश हो गए। एक मामले में कागजी कार्रवाई के मुद्दे पर जब कोर्ट ने पीआई से सवाल किया तो पीआई गबानी ने मजिस्ट्रेट से कहा कि, मैं भी राजपत्रित अधिकारी हूं, धीमी आवाज में बोलता हूं, कोर्ट ने पीआई के ऐसे व्यवहार को गंभीरता से लिया है. साथ ही एसीपी को भी मौजूद रहने का सुझाव दिया गया है.

मूल कागजात नहीं भेजे गए कोर्ट सूत्रों के मुताबिक, हाई कोर्ट ने सूरत की मुख्य न्यायिक अदालत को एक मामले को पूरा करने का निर्देश दिया था. उस केस से जुड़े मूल कागजात वराछा थाने में थे. कोर्ट ने वराछा पुलिस से मूल दस्तावेज मांगे। लेकिन वराछा पुलिस ने मूल कागजात कोर्ट में नहीं भेजे। इसलिए कोर्ट ने पीआई ए.एन.गबानी को समन भेजा.

पीआई के शब्दों के रिकॉर्ड पर ध्यान दें पीआई गबानी ने मजिस्ट्रेट के बार-बार निर्देश के बावजूद कागजात क्यों नहीं भेजे, यह पूछते हुए मजिस्ट्रेट से कहा कि सर, मैं भी एक राजपत्रित अधिकारी हूं, आपको धीमी आवाज में बात करनी चाहिए। पीआई के ऐसे शब्दों से कोर्ट चुप हो गया। मजिस्ट्रेट ने पीआई के इन शब्दों और व्यवहार को गंभीरता से लिया और सभी घटनाओं को रिकॉर्ड पर नोट किया। अब पीआई को कल अपने एसीपी के साथ उपस्थित होने का निर्देश दिया।

अवैध शराब तस्कर की पैसे लेने के दौरान हुई थी हत्या, आरोपी को गणना के दौरान महाराष्ट्र से किया गया गिरफ्तार।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के वेसू में अगम शॉपिंग सेंटर में शुक्रवार सुबह एक अवैध शराब तस्कर को रुपये लेते हुए गिरफ्तार कर लिया गया। शराब कारोबार में प्रतिद्वंद्वी रहे सिरफिरे शराब तस्कर प्रदीप उर्फ सैंडी शुक्ला समेत तीन लोगों की धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी गई। जांच के दौरान ही आरोपियों को महाराष्ट्र से उठाया गया।

हत्यारे मोपेड पर आये थे चोर्यासी तालुक के अभावा गांव के गणेश पालिया में नानू उर्फ नान्यो दहयाभाई पटेल (बी.ओ.ए.४५) अपने पारिवारिक भतीजे के साथ चाय की लॉरी पर बैठे थे। इसी दौरान मोपेड पर तीन युवक आए। जिसने नानिया पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इसलिए नानिया को गंभीर रूप से घायल हालत में एक निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

रुपये के बदले हत्या की बात कबूली वहीं पुलिस ने पूरे हत्याकांड का मामला दर्ज कर जांच की. जिसमें सीसीटीवी के आधार पर पता चला कि आरोपी महाराष्ट्र की ओर भागे हैं. तो पुलिस ने एक टीम भेजकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार आरोपियों में प्रदीप उर्फ सैंडी भोलानाथ शुक्ला, शुभम प्रेमनाथ दुबे और सुनीलसिंह उर्फ टाइगर राणाप्रताप सिंह राजपूत शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपी ने पुलिस पूछताछ के दौरान मरने वाले व्यक्ति को ५० हजार रुपये दिये थे. वह अक्सर बिना पैसे दिए वादे करता था। उसने दुश्मनी के चलते हत्या करने की बात कबूल की है।

RTI Revolutionary Group India, Swashasan
National Federation of Societies for Fast Justice
Mission Free Legal Education
के राष्ट्रीय वेबीनार का संयुक्त आयोजन

194 वां राष्ट्रीय RTI वेबीनार
RTI से जुड़े आपके सवाल और विशेषज्ञों के जवाब

विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता

श्री राहुल सिंह जी
पूर्व सूचना आयुक्त
मध्यप्रदेश

श्री शैलेश गांधी जी
पूर्व केंद्रीय
सूचना आयुक्त

श्री आत्मदीप जी
पूर्व सूचना आयुक्त
मध्यप्रदेश

श्री वीरेन्द्र कु.ठक्कर जी
RTI रिसोर्स पर्सन
उत्तराखंड

Join us at -
ZOOM ID - 9589152587
PASSCODE - 9589152587

रविवार
07 अप्रैल 2024
सुबह 11:00 बजे से
दोपहर 1:00 बजे तक

Get Instant Health Insurance
Health Insurance
Call 9879141480
Financial coverage for medical expenses, in case of a medical emergency.

પ્રાઇવેટ બેંક માંથી ➡ સરકારી બેંક માં
Mo-9118221822
હોમલોન 6.85% ના વ્યાજ દરે
લોન ટ્રાન્સફર + નવી ટોપઅપ વધારે લોન
તમારી કોઈપણ પ્રાઈવેટ બેંક તથા ફાઈનાન્સ કંપની ઉચ્ચા વ્યાજ દરમાં ચાલતી હોમલોન ને નીચા વ્યાજ દરમાંસરકારી બેંક માં ટ્રાન્સફર કરો તથા નવી વધારે ટોપઅપ લોન મેળવો.

9118221822
હોમ લોન
મોર્ગેજ લોન
કોમર્સીયલ લોન
પ્રોજેક્ટ લોન
પર્સનલ લોન
ઓ.ડી
સી.સી.